website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 294 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 01 अक्टूबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी ने गाजा संघर्ष पर राष्ट्रपति ट्रंप के शांति प्रस्ताव का किया स्वागत

- बोले- 'ये स्थायी शांति के लिए जरूरी'

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के प्रस्ताव का स्वागत किया है। इसे लेकर पीएम मोदी ने मंगलवार को प्रतिक्रिया दी और उम्मीद जताई कि राष्ट्रपति ट्रंप के इस प्रस्ताव को सभी पक्षों का समर्थन मिलेगा।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा...

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "हम गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापक योजना का स्वागत करते हैं। यह फिलिस्तीनी और इजरायली लोगों के साथ-साथ व्यापक पश्चिम एशियाई क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक और स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास का एक व्यवहार्य मार्ग प्रदान करता है। हमें उम्मीद है कि सभी संबंधित पक्ष राष्ट्रपति ट्रंप की पहल पर एकजुट होंगे और संघर्ष को समाप्त करने और शांति सुनिश्चित करने के इस प्रयास का समर्थन करेंगे।"

20 पॉइंट्स में गाजा में संघर्ष खत्म करने के लिए प्लान किया तैयार

बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 20 पॉइंट्स में गाजा में संघर्ष खत्म करने के लिए प्लान तैयार किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस प्लान को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और मुस्लिम देशों का समर्थन मिल चुका है। अब अमेरिकी राष्ट्रपति का यह प्रस्ताव मिस्र और कतर के मध्यस्थों ने हमास के सामने पेश किया है। हमास ने प्रस्ताव को लेकर कहा कि किसी भी तरह की प्रतिक्रिया देने से पहले इस मामले पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

ट्रंप ने अरब और मुस्लिम देशों के साथ बैठक के दौरान प्रस्ताव किया पेश

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूएनजीए की बैठक से इतर अरब और मुस्लिम देशों के साथ बैठक की थी। इस दौरान ही गाजापट्टी में सीजफायर को लेकर ट्रंप ने अपना प्रस्ताव पेश किया। अमेरिका ने फिर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को भी अपनी योजना बताई। पीएम नेतन्याहू ने भी ट्रंप के प्लान का समर्थन किया।

इजरायल के पीएम नेतन्याहू ने भी सीजफायर को लेकर जताई इच्छा

इसके बाद नेतन्याहू ने ट्रंप से वाशिंगटन डीसी में 29 सितंबर की देर रात को मुलाकात की। 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजरायल पर हमला किया था, जिसके बाद से इजरायल के पीएम नेतन्याहू ने इसे मिटाने की कसम खाई थी। बीते दो वर्षों से ये संघर्ष जारी है। हमले की दूसरी वर्षगांठ से पहले नेतन्याहू ने भी सीजफायर को लेकर अपनी इच्छा जताई है।

मुंबई से दिल्ली आ रही इंडिगो फ्लाइट में बम की धमकी

-जांच के बाद कुछ संदिग्ध नहीं मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एयरपोर्ट पर मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब मुंबई से दिल्ली आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई 762 को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी सुबह करीब 8 बजे मिली। सूचना मिलने के बाद दिल्ली एयरपोर्ट पर सतर्कता बढ़ा दी गई और विमान की लैंडिंग के समय सभी सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन किया गया। हालांकि जांच में ऐसी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इस फ्लाइट में करीब 200 यात्री सवार थे। धमकी मिलने के तुरंत बाद दिल्ली एयरपोर्ट पर फुल इमरजेंसी डिक्लेयर कर दी गई। एयरपोर्ट अधिकारियों और सुरक्षा एजेंसियों ने सुरक्षा के सभी जरूरी इंतजाम किए और विमान की सुरक्षित लैंडिंग के लिए तैयारी की गई।

हालांकि, जांच के बाद यह पता चला कि यह धमकी 'नॉन-स्पेसिफिक' यानी स्पष्ट रूप से किसी सटीक खतरे की ओर इशारा नहीं कर रही थी। बावजूद इसके, किसी भी प्रकार की चूक से बचने के लिए सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे प्रोटोकॉल के तहत कार्रवाई की।

दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को उतारा गया और विमान की गहन तलाशी ली गई। यात्रियों के सामान की भी बारीकी से जांच की गई। जांच पूरी होने तक एयरपोर्ट पर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा, "मुंबई से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई 762 में सुरक्षा खतरा देखा गया। स्थापित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, हमने संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचित किया और विमान को उड़ान भरने की अनुमति देने से पहले आवश्यक सुरक्षा जांच में उनका पूरा सहयोग किया। हमने अपने यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए हरसंभव प्रयास किया है, जिसमें उन्हें जलपान उपलब्ध कराना और नियमित अपडेट शेयर करना शामिल है। हमेशा की तरह, हमारे यात्री, पायलट और विमान की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दिल्ली के विकास और पार्टी के सुशासन में वीके मल्होत्रा का योगदान अविस्मरणीय- पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और दिल्ली भाजपा के पहले अध्यक्ष प्रोफेसर विजय कुमार मल्होत्रा के घर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। विजय कुमार मल्होत्रा का मंगलवार सुबह निधन हो गया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना भी व्यक्त की।पीएम मोदी ने वीके मल्होत्रा को याद करते हुए कहा कि दिल्ली के विकास और हमारी पार्टी के सुशासन के एजेंडे को आगे बढ़ाने में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फोटो शेयर करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फोटो शेयर करते हुए लिखा, "वीके. मल्होत्रा के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके परिवार के प्रति संवेदना भी व्यक्त की। दिल्ली के विकास और हमारी पार्टी के सुशासन के एजेंडे को आगे बढ़ाने में उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा।"

विजय कुमार मल्होत्रा ने एक उत्कृष्ट नेता के रूप में अपनी पहचान बनाई

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने वीके मल्होत्रा के निधन पर दुख जाहिर करते हुए एक्स पर लिखा," विजय कुमार मल्होत्रा ने एक उत्कृष्ट नेता के रूप में अपनी पहचान बनाई, उन्हें जनमानस से जुड़े मुद्दों की बहुत अच्छी समझ थी। उन्होंने दिल्ली में हमारी पार्टी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। संसदीय मामलों में उन्हें अपने कार्यकलापों के लिए भी याद किया जाएगा। उनके निधन से दुख पहुंचा है। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना।"

दिल्ली से 5 बार सांसद और 2 बार विधायक रहे भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय कुमार मल्होत्रा

दिल्ली से 5 बार सांसद और 2 बार विधायक रहे भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय कुमार मल्होत्रा का मंगलवार को निधन हो गया। भाजपा के दिग्गज नेताओं में शुमार विजय कुमार मल्होत्रा अपनी मजबूत छवि के लिए जाने जाते थे।

मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनने से पहले 1999 के लोकसभा चुनाव में भारी मतों से हराया था

विजय कुमार मल्होत्रा की शख्सियत का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि उन्होंने मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनने से पहले 1999 के लोकसभा चुनाव में भारी मतों से हराया था। भारतीय राजनीति के प्रमुख चेहरों में शामिल विजय कुमार मल्होत्रा ने 9वीं और 14वीं लोकसभा में दिल्ली सदर और दक्षिण दिल्ली निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व किया। 82 साल की उम्र में भी मोदी सरकार द्वारा कोई पद न दिए जाने के बावजूद वीके मल्होत्रा ने दिल्ली के लिए भाजपा का चुनाव अभियान अध्यक्ष बनने की पेशकश की और सभी 7 सीटें दिलाकर भाजपा को शानदार जीत दिलाई।

त्योहारी छुट्टियों में यात्रियों को राहत

-चेन्नई से विभिन्न जिलों के लिए विशेष बस व ट्रेन सेवा शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में बुधवार को आयुध पूजा और गुरुवार को विजयादशमी के बाद वीकेंड भी है। ऐसे में हजारों लोग चेन्नई से अपने गृहनगर और

पर्यटन स्थलों के लिए रवाना हो सकते हैं। छुट्टियों के दौरान भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए राज्य एक्सप्रेस परिवहन निगम (एसईटीसी) ने मंगलवार से शहर से 1,000 से ज्यादा विशेष बसों को चलाने की घोषणा की है। इसके अलावा बेंगलुरु, तिरुप्पुर, इरोड और कोयंबटूर से तमिलनाडु के विभिन्न गंतव्यों के लिए लगभग 300 विशेष ट्रेनें भी चलेंगी। अधिकारियों ने बताया कि चेन्नई के किलाम्बक्कम बस टर्मिनल से तिरुवन्नामलाई, त्रिची, कुंभकोणम, मदुरै, तिरुनेलवेली, कन्याकुमारी, थूथुकुडी, कोयंबटूर, सलेम, तिरुप्पुर और इरोड सहित प्रमुख दक्षिणी और पश्चिमी जिलों के लिए 885 विशेष बसें चलाई जाएंगी।

चेन्नई के कोयम्बेडु टर्मिनल से तिरुवन्नामलाई, नागपट्टिनम, वेलंकन्नी, होसुर और बेंगलुरु के लिए 185 विशेष बसें चलेंगी। परिवहन मंत्री एसएस शिवशंकर ने बसों का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए किलाम्बक्कम टर्मिनल का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि चेंगलपट् जिले में बुक्कथुराई और पथलम रोड जंक्शन पर चल रहे फ्लाईओवर और सड़क विस्तार कार्यों के कारण होने वाली बाधाओं से बचने के लिए नए अस्थायी मार्गों की व्यवस्था की गई है। भीड़भाड़ कम करने के लिए जिला पुलिस ने चेन्नई से दक्षिण की ओर जाने वाले यात्रियों को ईस्ट कोस्ट रोड (ईसीआर) और आउटर रिंग रोड (जीडब्ल्यूटी रोड) का उपयोग करने की सलाह दी है। दक्षिणी चेन्नई से आने वाले वाहनों को जीएसटी रोड पर वापस आने से पहले मेलावलमपेट्टई और तिरुकाझुकुंदराम होते हुए जाने को कहा गया है। दक्षिणी जिलों की ओर जाने वाले भारी वाहनों को तिंडीवनम जाने के लिए चेंगलपट्-कांचीपुरम बाईपास का उपयोग करने का निर्देश दिया गया है, जबकि पश्चिम की ओर जाने वाले वाहनों को आउटर रिंग रोड का ही उपयोग करना चाहिए। महत्वपूर्ण बात यह है कि चेंगलपट् मार्ग पर मंगलवार दोपहर 2 से बुधवार सुबह 3 बजे तक भारी वाहनों की अनुमति नहीं होगी। दक्षिण रेलवे ने त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए विशेष ट्रेनों की भी घोषणा की है। तांबरम से सेंगोट्टई के लिए एक विशेष अनारक्षित ट्रेन मंगलवार शाम 4.15 बजे रवाना होगी और विल्लुपुरम, अरियालुर, त्रिची और मदुरै होते हुए बुधवार सुबह 3 बजे सेंगोट्टई पहुंचेगी। एक और विशेष ट्रेन मंगलवार रात 10.15 बजे चेन्नई एग्मोर से तिरुवनंतपुरम उत्तर के लिए रवाना होगी और बुधवार दोपहर 2.05 बजे पहुंचेगी। वापसी में एक ट्रेन 5 अक्टूबर को चलेगी। एग्मोर से मदुरै के लिए एक अनारक्षित मेमू एक्सप्रेस मंगलवार रात 11.45 बजे रवाना होगी और बुधवार सुबह 10.15 बजे मदुरै पहुंचेगी। अधिकारियों ने यात्रियों से आग्रह किया है कि वे अपनी यात्रा की योजना पहले से बना लें और किसी भी परेशानी से बचने के लिए निर्धारित टर्मिनलों का उपयोग करें।

त्रिपुरा में असम राइफल्स की बड़ी कार्रवाई, 60 करोड़ की ड्रग्स बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम राइफल्स ने त्रिपुरा में 60 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के ड्रग्स जब्त किए हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि मादक

पदार्थों की समस्या पर निर्णायक कार्रवाई करते हुए पश्चिमी त्रिपुरा जिले के सीमावर्ती मोहनपुर इलाके में सफल अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए सैनिकों ने बड़ी खेप को पकड़ लिया, जिससे ड्रग तस्करों द्वारा दुर्गा पूजा के उत्सव के माहौल का फायदा उठाकर राज्य में अत्यधिक नशे की लत वाले मेथामफेटामाइन टैबलेट की तस्करी करने के प्रयास को विफल कर दिया गया। इस अभियान में 60 करोड़ रुपए मूल्य की 60.77 किलोग्राम प्रतिबंधित मेथम्फेटामाइन गोलियां बरामद की गई। प्रवक्ता ने बताया कि यह सफलता त्वरित प्रतिक्रिया, सटीक खुफिया जानकारी और प्रभावी क्रियान्वयन के कारण संभव हुई, जिससे मादक पदार्थों को उनके नेटवर्क तक पहुंचने से रोका जा सका। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि अवैध मादक पदार्थ व्यापार पर अंकुश लगाने तथा दुर्गा पूजा समारोह के दौरान युवाओं को इस खतरे से बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि म्यांमार से मिजोरम और असम के रास्ते तस्करी कर लाए गए मादक पदार्थों को पड़ोसी देश बांग्लादेश में तस्करी के लिए त्रिपुरा लाया गया था। त्रिपुरा तीन तरफ से पड़ोसी देश से घिरा हुआ है, जिसकी बांग्लादेश के साथ 856 किलोमीटर लंबी सीमा है। यह पूर्वोत्तर राज्य सीमा पार प्रवास, विभिन्न अपराधों, अवैध व्यापार और आवागमन के मुद्दों के प्रति संवेदनशील है। कुछ क्षेत्रों को छोड़कर, अधिकांश सीमांत क्षेत्र में तस्करी, सीमापार अपराध, घुसपैठियों और विरोधी तत्वों द्वारा सीमापार अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए बाड़ लगा दी गई थी। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान अवैध मादक पदार्थ सेवन के लिए 248 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है तथा 2.729 मादक पदार्थ विक्रेताओं को भी पकड़ा है। मुख्यमंत्री ने राज्य विधानसभा में कांग्रेस विधायक सुदीप रॉय बर्मन और माकपा विधायक सुदीप सरकार के सवालों का जवाब देते हुए कहा था कि पिछले तीन वित्तीय वर्षों (2022-23, 2023-24 और 2024-25) के दौरान 2,729 ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार करने के अलावा, सुरक्षा एजेंसियां अब 28 और अवैध ड्रग्स विक्रेताओं की तलाश कर रही हैं, जो अब फरार हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले अंतिम मतदाता सूची जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मंगलवार (30 सितंबर 2025) को अंतिम निर्वाचक सूची जारी कर दी गई है। राज्य के सभी पात्र मतदाता अब ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपने नाम की जानकारी देख सकते हैं। चुनाव आयोग ने एक लिंक शेयर किया है, जिस पर मतदाता अपने नाम, पते और अन्य विवरण की पुष्टि कर सकते हैं। निर्वाचक सूची का प्रकाशन विधानसभा चुनावों की तैयारियों में एक अहम कदम माना जा रहा है। इससे पहले एक अगस्त को चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बाद पहला संशोधित वोटर लिस्ट ड्राफ्ट जारी किया था। बिहार के 243 विधानसभा क्षेत्रों के 90,817 मतदान केंद्रों के लिए तैयार मतदाता सूची का प्रारूप मान्यता राजनीतिक दलों के साथ भी शेयर किया गया था।

बता दें कि एसआईआर के पहले चरण में कुल 65,64,075 मतदाताओं के नाम हटाए गए थे। इनमें फर्जी मतदाता और मृतक मतदाता शामिल थे। साथ ही, उन लोगों के भी नाम हटाए गए थे, जिनका वोटर आईडी कार्ड किसी अन्य राज्य में बना हुआ है। हालांकि, इस पर कई नेताओं ने आपत्ति भी दर्ज कराई थी, जिस पर जमकर बहस चली थी।

खासकर विपक्षी पार्टियों के नेता राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, मल्लिकार्जुन खरगे, मनोज झा समेत अन्य नेताओं ने चुनाव आयोग पर निशाना साधा था और फर्जी अवैध मतदाताओं के नाम हटाए जाने पर जमकर बवाल किया था। इन सबके बीच, यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट तक भी ले जाया गया, जहां एसआईआर की प्रक्रिया में आधार कार्ड को भी एक दस्तावेज के रूप में शामिल किए जाने को लेकर अंतरिम निर्देश जारी किया गया था।

इस साल भारत का फार्मा निर्यात 30 अरब डॉलर करेगा पार

-घरेलू बाजार 2030 तक होगा दोगुना : जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि भारत के फार्मास्यूटिकल्स निर्यात का वर्तमान मूल्य लगभग 27.8 अरब डॉलर है और यह साल के अंत तक 30 अरब डॉलर से अधिक हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि देश का घरेलू फार्मा बाजार, जो वर्तमान में 60 अरब डॉलर का है, 2030 तक 130 अरब डॉलर तक दोगुना होने की संभावना है। केंद्रीय मंत्री ने भारत के मेडटेक क्षेत्र में तेजी से विस्तार पर भी प्रकाश डाला। यह क्षेत्र वर्तमान में 15-20% की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ रहा है और इसमें देशभर के लगभग 800 मेडिकल डिवाइस निर्माता शामिल हैं। उन्होंने यह बातें उत्तर प्रदेश सरकार और जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) के बीच फार्मा, बायोटेक और मेडटेक में नवाचार और निवेश बढ़ाने के लिए हुए समझौते (MoU) के अवसर पर कही। यह सहयोग डीबीटी के बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल (BIRAC) और उत्तर प्रदेश प्रमोट फार्मा काउंसिल (UPPPC) के माध्यम से केंद्र-राज्य साझेदारी मॉडल के तहत भारत के स्वास्थ्य और बायोटेक क्षेत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया है। इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य शोध, स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना, कौशल क्षमता निर्माण और छोटे और मध्यम उद्यमों (SME और MSME) के लिए मजबूत संबंध बनाना है। अधिकारियों ने कहा कि यह सहयोग उभरती तकनीकों में निवेश को तेज करेगा और उनके व्यावसायीकरण में मदद करेगा। डॉ. सिंह

ने भारत में बायोटेक स्टार्टअप्स के तेजी से बढ़ते आधार पर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि 2014 में स्टार्टअप्स की संख्या केवल 50 थी, जो आज 11,000 से अधिक हो गई है। उन्होंने इस वृद्धि के लिए सरकार की नीतियों और पूरे सरकार दृष्टिकोण को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि भारत अब वैक्सीन का वैश्विक आपूर्तिकर्ता बन चुका है, जहां दुनिया की 60% से अधिक वैक्सीन का निर्माण होता है और 200 से अधिक देशों को भारतीय वैक्सीन डोज भेजे जाते हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि DBT-UP समझौते जैसे सहयोग विकसित भारत 2047 के विजन को आगे बढ़ाने में मदद करेंगे। वहीं उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों ने राज्य को फार्मा, बायोटेक और मेडटेक का केंद्र बनाने की महत्वाकांक्षा पर जोर दिया। उन्होंने लखनऊ में बायोटेक पार्क, ग्रेटर नोएडा में मेडिकल डिवाइस पार्क और ललितपुर में बल्क ड्रग और फार्मा पार्क जैसी परियोजनाओं का उल्लेख किया, जिन्हें नए सहयोग के तहत और विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी ने कहा कि DBT-BIRAC का सहयोग स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने, शोध सहयोग को मजबूत करने और किफायती स्वास्थ्य नवाचारों के लिए मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में मदद करेगा। भारत की बायोइकोनॉमी का मूल्य वर्तमान में लगभग 165 अरब डॉलर है। DBT के सचिव और BIRAC के अध्यक्ष डॉ. राजेश एस. गोखले ने कहा कि यह समझौता नवाचार पाइपलाइन को खोलने और किफायती तकनीकों को बढ़ाने में मदद करेगा। BIRAC के प्रबंध निदेशक डॉ. जितेंद्र कुमार ने कौशल विकास, इनक्यूबेशन और व्यावसायिकरण के महत्व पर जोर दिया, ताकि नवाचार तेजी से बाजार तक पहुंच सकें। MoU हस्ताक्षर समारोह में उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त मुख्य सचिव अमित कुमार घोष सहित DBT, BIRAC और उत्तर प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। डॉ. जितेंद्र सिंह ने निष्कर्ष में कहा कि केंद्र और राज्य के समन्वित प्रयासों से भारत किफायती और सुलभ स्वास्थ्य समाधान का वैश्विक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

एनसीआर में बदला मौसम का मिजाज

-तेज बारिश से लोगों को मिली गर्मी से राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम एक बार फिर करवट ले चुका है। मंगलवार सुबह से ही आसमान में काले बादलों ने डेरा जमा लिया, जिसके बाद नोएडा और गाजियाबाद के कई इलाकों में तेज बारिश शुरू हो गई। लगातार बढ़ती गर्मी और उमस से बेहाल लोगों के लिए यह बारिश किसी राहत से कम नहीं है। अचानक आई इस बरसात ने जहां तापमान में गिरावट की, वहीं सड़कों पर जलभराव की स्थिति भी देखने को मिलेगी। मौसम विभाग (आईएमडी) के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, अगले दो दिनों तक एनसीआर में इसी तरह का मौसम बना रहेगा। 30 सितंबर और 1 अक्टूबर को अधिकतम तापमान 34 से 35 डिग्री और न्यूनतम 26 से 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। इन दोनों दिनों में आंशिक रूप से बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी जारी रहने की संभावना है। ह्यमिडिटी 55 से 85 प्रतिशत तक रहने के कारण हवा में नमी बनी रहेगी, जिससे हल्की ठंडक के साथ खुशनुमा एहसास रहेगा। हालांकि, 2 अक्टूबर से बारिश में कमी आएगी और आसमान में बादल तो रहेंगे, लेकिन तेज बारिश की संभावना कम हो जाएगी। 3 और 4 अक्टूबर को मौसम आंशिक रूप से बादल वाला रहने की उम्मीद है, जबकि 5 अक्टूबर तक मुख्य रूप से साफ आसमान देखने को मिलेगा। तापमान धीरे-धीरे कम होते हुए अधिकतम 33 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री तक आ सकता है। बारिश के बाद से सड़कों पर वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई, कई जगहों पर जलभराव के कारण लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं दूसरी ओर, बच्चों और युवाओं ने बारिश का खूब लुत्फ उठाया। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने बारिश की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करते हुए खुशी जाहिर की। किसानों के लिए भी यह बारिश फायदेमंद साबित हो सकती है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां देर से बोई गई फसल को पानी की जरूरत थी। विशेषज्ञों का कहना है कि मानसून विदाई से पहले यह बारिश मौसमी संतुलन बनाए रखने में मदद करेगी।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

भीड़ का प्रबंधन या मौत का मंजर: करूर की त्रासदी से सीख कब लेंगे?

भीड़ के भगदड़ में बदलने की घटनाएं हमारे समाज और प्रशासन दोनों के लिए चिंता का विषय बन चुकी हैं। हाल ही में तमिलनाडु के करूर में टीवीके नेता और अभिनेता विजय की चुनावी रैली में जो भयावह स्थिति बनी, उसने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिर हम बार-बार होने वाली ऐसी त्रासदियों से सबक क्यों नहीं लेते। घटना के बाद वही पुरानी प्रक्रिया दोहराई गई – मृतकों के परिजनों को मुआवज़े का ऐलान, घायलों के इलाज की व्यवस्था और जांच आयोग की घोषणा। लेकिन यह सब महज़ औपचारिकता भर लगती है, क्योंकि न तो इससे पीड़ित परिवारों का दर्द कम होता है और न ही भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कोई ठोस बदलाव देखने को मिलता है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में भीड़ का जुटना कोई असामान्य बात नहीं है। धार्मिक मेलों, तीज-त्योहारों, सांस्कृतिक आयोजनों से लेकर राजनीतिक रैलियों और खेल मुकाबलों तक में लाखों लोग उमड़ते हैं। लेकिन जब भीड़ का प्रबंधन ढीला पड़ जाता है तो वही उत्सव या लोकतांत्रिक ताक़त का प्रदर्शन एक त्रासदी में बदल जाता है। करूर की घटना भी इसी लापरवाही का नतीजा रही। यह तथ्य कई बार जांच समितियों की रिपोर्टों में सामने आ चुका है कि अधिकतर भगदड़ की वजह भीड़ प्रबंधन में गंभीर चूक होती है। चुनावी रैलियों की बात करें तो यह केवल संवाद और प्रचार का माध्यम न होकर शक्ति प्रदर्शन का प्रतीक बन गई हैं। राजनीतिक दल और उम्मीदवार यह मानते हैं कि जितनी बड़ी भीड़ जुटेगी, उतना ही संदेश समाज और विरोधियों तक पहुंचेगा कि उनकी लोकप्रियता कितनी है। लेकिन इस दिखावे की होड़ में यह भूल जाते हैं कि भीड़ का आकार जितना बड़ा होगा, सुरक्षा इंतज़ाम उतने ही मज़बूत और सुव्यवस्थित होने चाहिए। नेताओं के आगमन की खबर मिलते ही भीड़ का जोश अचानक कई गुना बढ़ जाता है और अनुशासन टूटने लगता है। यही क्षण भगदड़ का कारण बनते हैं, क्योंकि लोग एक-दूसरे को धक्का देते हुए आगे बढ़ने की कोशिश करते हैं। दुर्भाग्य यह है कि हमारी व्यवस्था हर बार ऐसे हादसों के बाद जागती है और फिर कुछ समय बाद सब कुछ सामान्य मानकर भूल जाती है। जो परिवार अपने प्रियजनों को खो देता है, उनके लिए यह दर्द आजीवन बना रहता है। केवल मुआवज़े की रकम उनकी क्षति की भरपाई नहीं कर सकती। जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक दल, प्रशासन और आयोजक मिलकर एक ठोस ढांचा तैयार करें जिसमें भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता मिले। बड़े आयोजनों से पहले मैदान की क्षमता, प्रवेश और निकास द्वारों की संख्या, आपातकालीन रास्तों की उपलब्धता, पुलिस बल और चिकित्सा सुविधाओं की उपस्थिति जैसे पहलुओं का गंभीरता से मूल्यांकन होना चाहिए।

डी-डॉलराइजेशन : अपनी अर्थव्यवस्था को ज्यादा मजबूत और मोलभाव करने लायक बनाना ही भारत की रणनीति

-डॉलर की मौजूदा स्थिति और अमरीकी कर्ज संकट

बीते कई दशकों से वैश्विक अर्थव्यवस्था का केंद्र अमरीकी डॉलर रहा है। चाहे तेल खरीदना हो, अंतरराष्ट्रीय व्यापार करना हो या विदेशी मुद्रा भंडार बनाना हो – डॉलर को ही सुरक्षित और सर्वोच्च माना गया। लेकिन 21वीं सदी की दूसरी और तीसरी दशक में हालात बदलने लगे हैं। दुनिया की कई उभरती अर्थव्यवस्थाएँ अब यह महसूस कर रही हैं कि डॉलर पर पूरी निर्भरता उन्हें न केवल आर्थिक रूप से बल्कि भू-राजनीतिक स्तर पर भी असुरक्षित बनाती है।

यही वजह है कि "डी-डॉलराइजेशन" यानी डॉलर पर निर्भरता घटाने की प्रक्रिया तेज़ हो रही है। भारत भी इस दिशा में कदम बढ़ा रहा है क्योंकि मजबूत और स्वतंत्र मुद्रा नीति ही किसी भी राष्ट्र को अधिक मोलभाव करने की क्षमता देती है।

डॉलर की मौजूदा स्थिति और अमरीकी कर्ज संकट

अमरीका दुनिया का सबसे बड़ा कर्जदार देश है। उसका सालाना बजट घाटा लगभग दो ट्रिलियन डॉलर तक पहुँच चुका है। इसके अलावा पुराने कर्जों का बोझ भी है जिन्हें नियमित रूप से चुकाना पड़ता है। इस साल अमरीका को नए और पुराने कर्ज मिलाकर लगभग 10 ट्रिलियन डॉलर से अधिक उधार लेना पड़ रहा है।

यह पैसा जुटाने के लिए वह अमरीकी और विदेशी निवेशकों को अपने बॉन्ड्स बेचता है। विदेशी मुद्रा भंडार रखने वाले देश भी इन बॉन्ड्स में निवेश करते हैं। लेकिन जब कर्ज का बोझ बढ़ता है तो ब्याज दरें भी ऊँची रखनी पड़ती हैं। इस समय अमरीकी बॉन्ड्स पर जोखिम-रहित ब्याज दर लगभग 5 प्रतिशत है। अगर किसी अन्य देश की वित्तीय स्थिति इतनी खराब होती तो उसकी क्रेडिट रेटिंग गिरा दी जाती, लेकिन डॉलर की

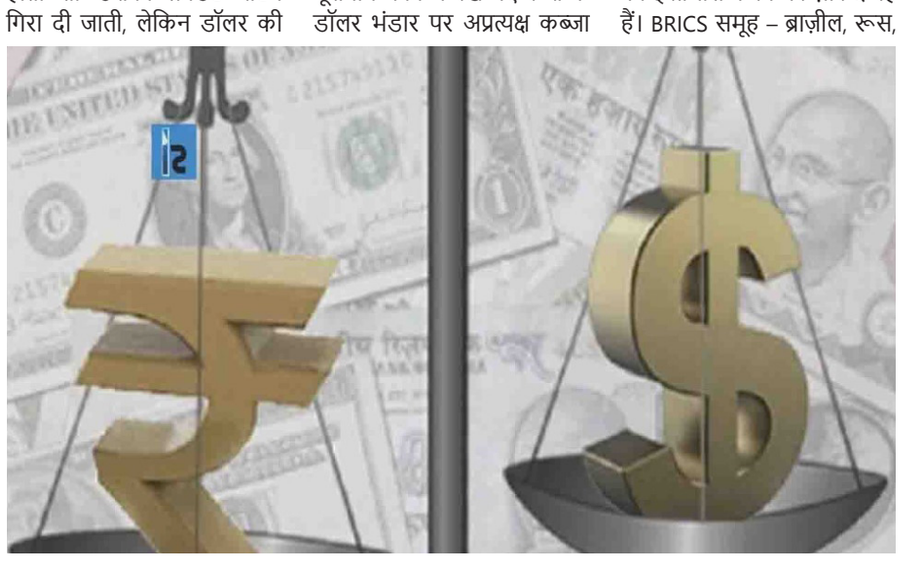

मजबूरी और वर्चस्व के कारण अमरीका आज भी सुरक्षित निवेश का केंद्र माना जाता है।

डॉलर का घटता दबदबा

हालाँकि डॉलर अभी भी सबसे ज्यादा प्रचलित वैश्विक मुद्रा है, पर उसकी चमक कम होती दिख रही है। बीते बीस सालों में विदेशी मुद्रा भंडार में डॉलर का हिस्सा 72 प्रतिशत से घटकर 58 प्रतिशत रह गया है।

यानी अब देश अपने रिज़र्व में यूरो, युआन, येन और सोना ज्यादा रखने लगे हैं। 2025 की पहली छमाही में डॉलर इंडेक्स 11 प्रतिशत गिरा, जो पिछले पचास सालों में पहली बड़ी गिरावट मानी जा रही है।

इतिहास में पहली बार केंद्रीय बैंकों के पास मौजूद सोने का बाजार मूल्य अमरीकी बॉन्ड्स से बड़ा हो गया है। यह प्रतीकात्मक लेकिन अहम बदलाव है।

भू-राजनीतिक जोखिम और डॉलर पर अविश्वास

रूस-यूक्रेन युद्ध ने डॉलर की कमजोरी को और उजागर किया। यूरोपीय बैंकों में रखे गए रूस के डॉलर भंडार पर अप्रत्यक्ष कब्जा कर लिया गया। इससे बाकी देशों को संदेश मिला कि अगर वे भी डॉलर पर बहुत अधिक निर्भर रहे, तो किसी राजनीतिक विवाद में उनकी संपत्ति पर रोक लग सकती है। यानी डॉलर सिर्फ आर्थिक नहीं बल्कि राजनीतिक हथियार भी बन चुका है। इस डर से कई देश विकल्प तलाशने लगे हैं।

डी-डॉलराइजेशन की वैश्विक कोशिशें

चीन – युआन को वैकल्पिक वैश्विक मुद्रा बनाने की कोशिश कर रहा है। "बेल्ट एंड रोड" प्रोजेक्ट में कई देशों के साथ युआन में लेन-देन बढ़ा रहा है। रूस – पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद उसने अपने व्यापार का बड़ा हिस्सा डॉलर से हटाकर यूरो, युआन और रूबल में करना शुरू कर दिया है। मध्य एशिया और अफ्रीका – कई देश अब सोने और स्थानीय मुद्राओं में व्यापारिक सौदे कर रहे हैं। लैटिन अमेरिका – ब्राज़ील और अर्जेंटीना जैसे देश आपसी व्यापार में डॉलर छोड़कर स्थानीय मुद्राओं का इस्तेमाल करने पर ज़ोर दे रहे हैं। BRICS समूह – ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका मिलकर एक साझा वैकल्पिक भुगतान प्रणाली पर काम कर रहे हैं।

भारत की रणनीति

भारत भी अब इस प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

रुपया अंतरराष्ट्रीय व्यापार में: भारत ने हाल ही में रुपये में निर्यात और आयात की अनुमति दी है। कई देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार में रुपये के इस्तेमाल की शुरुआत हो चुकी है। रूस से ऊर्जा खरीद में रुपये और रूबल के लेन-देन का प्रयोग हुआ।

डिजिटल करेंसी (CBDC): रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया ने डिजिटल रुपया लॉन्च किया है। इससे सीमा पार भुगतान को तेज़ और पारदर्शी बनाया जा सकता है। भविष्य में यह डॉलर के विकल्प के रूप में भूमिका निभा सकता है।

स्वर्ण भंडार नीति: भारत ने पिछले वर्षों में अपना सोने का भंडार लगातार बढ़ाया है। क्योंकि सोना किसी भी भू-राजनीतिक जोखिम से सुरक्षित माना जाता है।

ऊर्जा सौदे और विविध साझेदारी: भारत अब तेल-गैस सौदों में सिर्फ डॉलर पर निर्भर नहीं है। रूस, ईरान और खाड़ी देशों के साथ स्थानीय मुद्राओं में सौदे करने पर बातचीत हो रही है।

क्यों जरूरी है डी-डॉलराइजेशन भारत के लिए?

भू-राजनीतिक स्वतंत्रता – डॉलर पर कम निर्भरता का मतलब है कि भारत को अमरीकी दबाव कम झेलना पड़ेगा। आर्थिक स्थिरता – अगर डॉलर में उतार-चढ़ाव आता है, तो रुपये में व्यापार करने से भारत की अर्थव्यवस्था पर सीधा असर कम होगा। मोलभाव की शक्ति – मजबूत रुपया भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर बेहतर सौदेबाज़ी की ताकत देगा। वित्तीय सुरक्षा – विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता लाने से जोखिम घटेगा।

भारत के सामने चुनौतियाँ

हालाँकि डी-डॉलराइजेशन आसान नहीं है। वैश्विक विश्वास अभी भी डॉलर में है, रुपया को वैसा भरोसा दिलाना मुश्किल है। अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्रणाली (SWIFT) अब भी डॉलर-केन्द्रित है। भारत का व्यापार घाटा बड़ा है, ऐसे में रुपये की मजबूती बनाए रखना चुनौती है। भ्रष्टाचार, नियामकीय बाधाएँ और असमानता भी रुपये की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता में रुकावट हैं।

आगे का रास्ता

भारत को डी-डॉलराइजेशन की दिशा में धीरे-धीरे लेकिन दृढ़ कदम बढ़ाने होंगे। BRICS मुद्रा तंत्र में सक्रिय भूमिका निभाना। द्विपक्षीय मुद्रा स्वैप समझौते बढ़ाना। डिजिटल रुपया को वैश्विक लेन-देन में प्रमोट करना। सोने और अन्य वास्तविक संपत्तियों पर आधारित रिज़र्व रणनीति बनाना। घरेलू आर्थिक सुधार – व्यापार घाटा कम करना, उत्पादन क्षमता बढ़ाना और रुपये की स्थिरता सुनिश्चित करना। डी-डॉलराइजेशन कोई तात्कालिक प्रक्रिया नहीं है। यह एक धीमा लेकिन स्थायी बदलाव है। डॉलर का वर्चस्व आज भी कायम है, लेकिन उसके आसपास अब विकल्प खड़े हो रहे हैं। भारत के लिए यह अवसर है कि वह अपनी मुद्रा, अपनी अर्थव्यवस्था और अपनी रणनीतिक स्वतंत्रता को मजबूत करे। डॉलर पर निर्भरता घटाकर भारत न केवल खुद को सुरक्षित करेगा बल्कि वैश्विक स्तर पर मोलभाव करने लायक ताकत भी हासिल करेगा। 21वीं सदी के इस नए आर्थिक युग में भारत की यही रणनीति उसे असली वैश्विक शक्ति के रूप में उभार सकती है।

भारत की भविष्य की संभावनाएँ : एक संभावित परिदृश्य

अगर भारत आने वाले वर्षों में डी-डॉलराइजेशन की दिशा में लगातार कदम उठाता है, तो उसके सामने कई संभावनाएँ खुल सकती हैं। क्षेत्रीय मुद्रा केंद्र – दक्षिण एशिया के देशों (नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव) के साथ भारत रुपया-आधारित भुगतान प्रणाली लागू कर सकता है। इससे भारत क्षेत्रीय आर्थिक धुरी बन जाएगा। ऊर्जा व्यापार में भूमिका – भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है। अगर भारत तेल सौदों का बड़ा हिस्सा रुपये या स्थानीय मुद्राओं में करने लगे, तो यह वैश्विक ऊर्जा बाजार में नई परंपरा स्थापित करेगा।

ग्रामीण-शहरी असमानता की चुनौती

-ग्रामीण-शहरी शिक्षा की असमानता की झलक

भारत की पहचान एक कृषिप्रधान और गांवों का देश होने के रूप में होती आई है। आज भी देश की लगभग 65-70 प्रतिशत आबादी ग्रामीण इलाकों में रहती है। यदि गांव पिछड़े रहेंगे तो भारत के समग्र विकास की परिकल्पना अधूरी रहेगी। गांवों के विकास की असली कुंजी शिक्षा है, क्योंकि शिक्षा न केवल व्यक्ति को जागरूक और आत्मनिर्भर बनाती है, बल्कि सामाजिक-आर्थिक बदलाव की धुरी भी है। परंतु अफसोस की बात है कि आज भी ग्रामीण और शहरी शिक्षा के बीच एक गहरी खाई बनी हुई है। यह असमानता केवल विद्यालयी ढांचे तक सीमित नहीं, बल्कि अवसरों, संसाधनों, खर्च और गुणवत्ता तक फैली हुई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) द्वारा किए गए हालिया सर्वेक्षण में स्पष्ट हुआ कि गांवों और शहरों में विद्यालयी शिक्षा का स्वरूप बहुत अलग है। स्कूल फीस, गणवेश, परिवहन, किताबें, स्टेशनरी जैसी बुनियादी बातों पर होने वाला खर्च शहरी और ग्रामीण परिवारों के बीच काफी असमान है। यही अंतर आगे चलकर भारत की सामाजिक-आर्थिक यात्रा को प्रभावित करता है।

ग्रामीण-शहरी शिक्षा की असमानता की झलक

NSO सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि ग्रामीण क्षेत्र के लगभग 74 प्रतिशत बच्चे सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालयों में नामांकित हैं, जबकि शहरी क्षेत्र में यह आंकड़ा मात्र 47 प्रतिशत है। इसका अर्थ यह हुआ कि शहरों में बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों को निजी स्कूलों में भेजते हैं, जबकि गांवों में अधिकांश लोग सरकारी स्कूलों पर निर्भर रहते हैं। खर्च का अंतर भी चौंकाने वाला है। ग्रामीण क्षेत्र के एक सामान्य अभिभावक को अपने बच्चों की शिक्षा पर औसतन 8,382 रुपए सालाना खर्च करने पड़ते हैं, जबकि शहरी क्षेत्र में यही खर्च बढ़कर 23,470 रुपए हो जाता है। यह अंतर न केवल आय की असमानता को दिखाता है, बल्कि यह भी बताता है कि ग्रामीण स्कूलों में गुणवत्ता की कमी के कारण अभिभावक अतिरिक्त खर्च जैसे कोचिंग या ट्यूशन पर पैसा लगाने को मजबूर हो जाते हैं।

असमानता के मुख्य कारण

ढांचागत सुविधाओं की कमी: गांवों के अधिकांश सरकारी विद्यालयों में बुनियादी ढांचे की स्थिति चिंताजनक है। कई स्कूलों में पर्याप्त कक्षाएं नहीं होतीं, शौचालय या तो हैं ही नहीं या खराब स्थिति में रहते हैं, पीने के पानी की व्यवस्था सीमित है और आधुनिक तकनीकी साधनों जैसे कंप्यूटर-लैब, प्रोजेक्टर आदि की अनुपस्थिति रहती है।

शिक्षकों की कमी और गुणवत्ता: ग्रामीण विद्यालयों में योग्य और प्रशिक्षित शिक्षकों की भारी कमी है। कई जगहों पर एक ही शिक्षक को कई विषय पढ़ाने पड़ते हैं। इसके अलावा, ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर शिक्षक अनुपस्थित रहते हैं या अपने काम को गंभीरता से नहीं लेते। दूसरी ओर, शहरों में निजी स्कूल बेहतर वेतन और सुविधाएं देकर योग्य शिक्षकों को आकर्षित कर लेते हैं।

आर्थिक असमानता: ग्रामीण परिवारों की आय सामान्यतः कम होती है। खेती पर निर्भरता, बेरोजगारी और असंगठित क्षेत्र में काम करने की मजबूरी के कारण वे शिक्षा पर अधिक खर्च नहीं कर पाते। यही कारण है कि ग्रामीण बच्चे अक्सर महंगी कोचिंग, ट्यूशन या आधुनिक शिक्षा संसाधनों से वंचित रह जाते हैं।

सामाजिक मानसिकता और जागरूकता की कमी: कई ग्रामीण इलाकों में आज भी शिक्षा को उतनी प्राथमिकता नहीं दी जाती जितनी शहरों में दी जाती है। बाल विवाह, बाल श्रम और लड़कियों की शिक्षा को लेकर झिझक जैसी समस्याएं अब भी मौजूद हैं।

डिजिटल डिवाइड: आज के समय में डिजिटल शिक्षा का महत्व तेजी से बढ़ा है। कोविड-19 महामारी ने इसकी आवश्यकता और स्पष्ट कर दी। लेकिन ग्रामीण भारत में इंटरनेट कनेक्टिविटी, बिजली की उपलब्धता और स्मार्ट डिवाइसों की कमी के कारण लाखों बच्चे ऑनलाइन शिक्षा से वंचित रह गए।

शिक्षा का अर्थशास्त्र और अभिभावकों पर बोझ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने स्पष्ट किया है कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का कम से कम 6 प्रतिशत शिक्षा पर खर्च होना चाहिए। लेकिन वास्तविकता यह है कि भारत अभी भी इस लक्ष्य से काफी पीछे है। जब राज्य शिक्षा पर पर्याप्त खर्च नहीं करता, तो उसका सीधा बोझ अभिभावकों पर पड़ता है। यही कारण है कि शहरी क्षेत्रों में अभिभावक निजी स्कूल, ट्यूशन और कोचिंग पर भारी रकम खर्च करते हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों के अभिभावक अपनी सीमित आय में बच्चों की पढ़ाई पूरी करने में कठिनाई झेलते हैं। इससे शिक्षा का स्तर और भी असमान हो जाता है।

ग्रामीण शिक्षा की चुनौतियों के परिणाम

गुणवत्ता की गिरावट – ग्रामीण स्कूलों से पढ़ने वाले बच्चों में गणित, भाषा और विज्ञान की बुनियादी समझ कमजोर रहती है। छात्रों का पलायन – बेहतर शिक्षा की तलाश में ग्रामीण परिवार बच्चों को शहरों में भेजने लगते हैं, जिससे गांव का शैक्षिक वातावरण और कमजोर हो जाता है। रोज़गार पर असर – गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित ग्रामीण छात्र उच्च शिक्षा और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में पिछड़ जाते हैं, जिससे बेरोजगारी बढ़ती है। सामाजिक असमानता – शिक्षा में अंतर सामाजिक असमानताओं को और गहरा करता है। अमीर और गरीब, गांव और शहर के बीच की खाई बढ़ती चली जाती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और ग्रामीण शिक्षा

नई शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा को समावेशी और गुणवत्तापूर्ण बनाने पर जोर दिया गया है। इसमें निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से ग्रामीण शिक्षा को सशक्त कर सकते हैं— प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा या स्थानीय भाषा में पढ़ाई। शिक्षा के सभी स्तरों पर समान अवसर उपलब्ध कराना। डिजिटल शिक्षा और ऑनलाइन संसाधनों को बढ़ावा देना। शिक्षकों के प्रशिक्षण और गुणवत्ता सुधार पर विशेष ध्यान। व्यावसायिक शिक्षा को स्कूली स्तर से ही लागू करना। यदि इन प्रावधानों को ईमानदारी से लागू किया जाए, तो ग्रामीण और शहरी शिक्षा के बीच की दूरी काफी हद तक कम की जा सकती है।

समाधान और सुधार के उपाय

शिक्षा बजट में बढ़ोतरी: भारत को शिक्षा पर GDP का 6 प्रतिशत खर्च करने का लक्ष्य तत्काल लागू करना चाहिए। इससे ग्रामीण स्कूलों के बुनियादी ढांचे और संसाधनों में सुधार किया जा सकेगा।

ग्रामीण स्कूलों का आधुनिकीकरण: गांवों के स्कूलों में स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब, डिजिटल लाइब्रेरी और आधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना जरूरी है। इससे ग्रामीण छात्रों को भी शहरों जैसी सुविधाएं मिल सकेंगी।

शिक्षक प्रशिक्षण और प्रोत्साहन: ग्रामीण क्षेत्रों में योग्य शिक्षकों की नियुक्ति के लिए विशेष योजनाएं बनानी होंगी। शिक्षकों को प्रोत्साहन भत्ता, आवास सुविधा और करियर ग्रोथ के अवसर देने से उनका मनोबल बढ़ेगा।

डिजिटल गैप कम करना: गांवों में इंटरनेट कनेक्टिविटी, बिजली और सस्ते स्मार्ट उपकरण उपलब्ध कराना आवश्यक है। इसके लिए सरकार और निजी कंपनियों के बीच साझेदारी उपयोगी होगी।

भोजन की बर्बादी को रोका जाना हम सभी की जिम्मेदारी

-भारतीय समाज में बदलती खानपान संस्कृति

भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं है, बल्कि यह इंसान की मेहनत, धरती की उपजाऊ क्षमता, पानी और पर्यावरण की अनमोल देन है। फिर भी आज यह कड़वी सच्चाई है कि पूरी दुनिया में हर साल अरबों टन भोजन बर्बाद हो जाता है। जब एक ओर करोड़ों लोग भूख और कुपोषण से जूझ रहे हों, वहीं दूसरी ओर विशाल मात्रा में भोजन का नष्ट होना न केवल नैतिक दृष्टि से गलत है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय समस्या भी है। इंसान यदि सोच ले, तो खाने की बर्बादी को बहुत हद तक कम किया जा सकता है।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भोजन की बर्बादी

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में उत्पादित कुल खाद्यान्न का लगभग एक-तिहाई हिस्सा बर्बाद हो जाता है। यह मात्रा इतनी है कि इससे भूख से पीड़ित पूरी मानवता का कई गुना भोजन कराया जा सकता है। अमेरिका में कम जनसंख्या होने के बावजूद, वहाँ की उपभोक्ता संस्कृति और खान-पान की विविधता के कारण भारी मात्रा में खाद्य सामग्री बर्बाद होती है। चीन और भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देशों में भी खाद्य बर्बादी बड़ी चुनौती बन चुकी है। आधुनिकता, सुविधा और "फास्ट फूड कल्चर" के बढ़ते प्रभाव ने इस समस्या को और गहरा कर दिया है। दरअसल, जैसे-जैसे समाज में विकास की गति तेज़ होती गई, वैसे-वैसे भोजन की बर्बादी भी बढ़ी। इसका कारण केवल अधिक उत्पादन ही नहीं, बल्कि उपभोग की आदतों में आया बदलाव भी है।

भारतीय परंपरा और बदलता परिवेश

भारत की संस्कृति में सामूहिक भोजन (community eating) की परंपरा रही है। परिवार या समाज मिलकर एक साथ बैठकर खाना खाते थे। यह न केवल सौहार्द का प्रतीक था, बल्कि इससे भोजन की बर्बादी भी बहुत कम होती थी। घर में बना भोजन सबकी रुचि के अनुसार तैयार किया जाता और यदि बच भी जाता तो अगले समय उसका उपयोग किसी न किसी रूप में कर लिया जाता। "बचत" और "पुनः उपयोग" भारतीय परिवारों की खास पहचान थी। लेकिन पाश्चात्य प्रभाव, व्यस्त जीवनशैली और "एकल परिवार" (nuclear family) की प्रवृत्ति ने

इस परंपरा को धीरे-धीरे कमजोर कर दिया। अब लोग अपनी-अपनी पसंद के हिसाब से भोजन तैयार करवाते हैं, जिससे अवशेष अधिक बचते हैं। यह अवशेष अक्सर डस्टबिन का हिस्सा बन जाता है।

भोजन की बर्बादी के प्रमुख कारण भोजन के व्यर्थ होने के कई कारण हैं, जिन्हें समझना आवश्यक है— अत्यधिक उत्पादन और स्टोरेज की कमी किसान मेहनत से फसल उगाते हैं, लेकिन कोल्ड स्टोरेज और परिवहन की सुविधाओं के अभाव में भारी मात्रा में अनाज, फल और सब्ज़ियाँ खराब हो जाती हैं।

उपभोक्ता की लापरवाही: लोग अपनी आवश्यकता से अधिक भोजन खरीदते या पकाते हैं। शादी-ब्याह, पार्टियों और होटलों में बड़ी मात्रा में भोजन बचता है।

ऑनलाइन डिलीवरी कल्चर: पिछले दशक में फूड डिलीवरी एप्स की लोकप्रियता ने भी बर्बादी बढ़ाई है। लोग सुविधा के लिए कई तरह के व्यंजन मँगवाते हैं, परंतु पूरा उपभोग नहीं कर पाते।

सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन: पहले लोग "थाली में उतना ही परोसते थे, जितना खा सकें", लेकिन अब "वैरायटी दिखाना" एक स्टेटस सिंबल बन गया है। बड़ी थालियाँ, बुफे सिस्टम और "आउटिंग कल्चर" भी बर्बादी का बड़ा कारण हैं।

भोजन की बर्बादी के दुष्परिणाम

भूख और कुपोषण की समस्या: संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, हर रात लगभग 80 करोड़ लोग भूखे सोते हैं। यह विडंबना है कि भोजन की कमी से मरने वाले लोग और भोजन की बर्बादी—दोनों साथ-साथ मौजूद हैं।

पर्यावरणीय प्रभाव: भोजन बर्बाद होने पर केवल खाना ही नहीं जाता, बल्कि उस भोजन को उगाने में लगा पानी, ऊर्जा और संसाधन भी व्यर्थ हो जाते हैं। अनुमान है कि वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का 8% हिस्सा खाद्य अपव्यय से आता है।

आर्थिक नुकसान: भारत जैसे विकासशील देशों में लाखों करोड़ रुपये मूल्य का भोजन हर साल बर्बाद हो जाता है। यह सीधा नुकसान किसानों, व्यापारियों और देश की अर्थव्यवस्था को होता है।

भारतीय समाज में बदलती खानपान संस्कृति

पहले भारतीय परिवारों में "रसोई" घर की आत्मा मानी जाती थी। भोजन केवल शरीर को ऊर्जा देने का साधन नहीं, बल्कि संस्कार, परंपरा और प्रेम का प्रतीक था। त्योहारों, शादी-ब्याह या छोटे-छोटे आयोजनों में भी लोग सुनिश्चित करते थे कि भोजन व्यर्थ न जाए। बचा हुआ भोजन या तो अगले दिन उपयोग होता या जरूरतमंदों को दे दिया जाता। आज "रेडीमेड फूड", "इंस्टेंट नूडल्स", "बर्गर-पिज़्ज़ा" जैसे व्यंजनों ने इस संस्कृति को बदल दिया है। बच्चे और युवा पैकेट वाले स्नैक्स पर अधिक निर्भर हो गए हैं। इससे न केवल भोजन की गुणवत्ता प्रभावित हुई है, बल्कि बर्बादी की संभावना भी बढ़ गई है।

भोजन बचाने के छोटे-छोटे उपाय

खाना खाते समय "कितना चाहिए" इस पर ध्यान दें। शादी या पार्टी में यदि भोजन बच रहा है तो तुरंत NGO या जरूरतमंद तक पहुँचाने का प्रयास करें। सब्ज़ियाँ या फल खरीदते समय "ऑफ़-सीज़न" वस्तुओं की बजाय स्थानीय और मौसमी वस्तुएँ चुनें। "ज्यादा पकाकर डस्टबिन में डालने" की बजाय "कम पकाकर सबका पेट भरना" बेहतर है।

नैतिक और धार्मिक दृष्टिकोण

दुनिया की लगभग हर सभ्यता और धर्म ने भोजन को ईश्वर का प्रसाद या अल्लाह की नेमत माना है। इस्लाम में कहा गया है कि "रिज़्क़ की कद्र करो, इसे ज़ाया मत करो।" हिन्द धर्म में "अन्न को ब्रह्म" कहा गया है, अर्थात् भोजन स्वयं परमात्मा का रूप है। ईसाई परंपरा में भी "ब्रेड ऑफ लाइफ" को पवित्र माना गया है। इसलिए भोजन बर्बाद करना केवल आर्थिक या सामाजिक नुकसान नहीं, बल्कि एक तरह से नैतिक अपराध भी है। भोजन की बर्बादी आज वैश्विक समस्या है। यह केवल व्यक्तिगत आदतों का परिणाम नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक कारणों से जुड़ी हुई चुनौती है। यदि हम सब मिलकर संकल्प लें कि— उतना ही लें जितना खा सकें, अतिरिक्त भोजन ज़रूरतमंदों तक पहुँचाएँ, और बच्चों को "भोजन का मूल्य" सिखाएँ, तो इस समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

सेवा शिविरों से सबका साथ, सबका विकास का मूलमंत्र हो रहा साकार - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

-मुख्यमंत्री ने 362 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार गांव और गरीब के उत्थान, किसान एवं महिला के सम्मान के लिए कार्य कर रही है। इसी दिशा में सेवा पखवाड़ा प्रदेश के हर नागरिक तक सुशासन, सुविधाएं और विकास की पहुंच सुनिश्चित करने के साथ ही जनसेवा के ध्येय की प्राप्ति का एक सशक्त माध्यम है। शर्मा मंगलवार को ब्यावर के जैतारण में सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से संचालित सेवा पखवाड़ा प्रधानमंत्री जी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र को मूर्त रूप देने का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए इस सेवा पखवाड़े के अंतर्गत प्रदेशभर में ग्रामीण और शहरी सेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण सेवा शिविरों में रजिस्ट्री, पट्टे, गिरदावरी, कुर्रेजात, विभाजन, नामांतरण, प्रमाण पत्र और अन्य विभिन्न कार्य किए जाने के साथ ही जनकल्याणकारी योजनाओं से भी पात्र लोगों को जोड़ा जा रहा है। वहीं शहरी सेवा शिविरों में सड़कों, नालियों और सीवर लाइन की मरम्मत, सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण आदि के साथ ही जन्म-मृत्यु या विवाह पंजीयन, पट्टे, एनओसी, ट्रेड लाइसेंस, नामांतरण, भवन स्वीकृति, टैक्स जमा, सीवर कनेक्शन, ईडब्लूएस प्रमाण पत्र आदि कार्य किए जा रहे हैं।

4 हजार 121 ग्रामीण सेवा शिविर —

शर्मा ने सेवा शिविरों की प्रगति का जिक्र करते हुए कहा कि इस पखवाड़े में अब तक 4 हजार 121 ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए गए हैं, जिनमें करीब 53 हजार नामांतरण और करीब 54 हजार शुद्धिकरण के कार्य हुए हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की 82 हजार से अधिक पॉलिसी के वितरण के साथ ही एनएफएसए पोर्टल पर लंबित 78 हजार से अधिक प्रकरणों को निस्तारित किया गया है। इसी तरह स्वामित्व योजना के तहत 64 हजार से अधिक पट्टे और मंगला पशु बीमा योजना के अंतर्गत 85 हजार से ज्यादा पशु बीमा वितरित किए गए। इसी तरह शहरी सेवा शिविरों में 8 हजार से ज्यादा पट्टे वितरित किए गए और 42 हजार से ज्यादा प्रमाणपत्र जारी किए गए।

हमारी सरकार ने ऊर्जा के क्षेत्र में किए अभूतपूर्व कार्य —

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार प्रदेश के विकास के लिए ऐतिहासिक कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गत 25 सितंबर को प्रधानमंत्री ने बांसवाड़ा में न्यूक्लियर पावर प्लांट की नींव रखी है। यह प्लांट राजस्थान के साथ ही देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने ऊर्जा के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम किया है। प्रदेश के 22 जिलों में किसानों को दिन के समय बिजली मिलनी शुरू हो चुकी है। इसी तरह रामजल सेतु लिंक परियोजना तथा यमुना जल समझौते को मूर्त रूप दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर किए गए जीएसटी सुधारों का सीधा लाभ गरीब, किसान, मध्यम वर्ग, व्यापारी सहित समाज के सभी वर्गों को मिल रहा है। दैनिक उपयोग की अधिकांश वस्तुएं अब सस्ती हो गई हैं और आमजन को बड़ी राहत मिली है।

91 हजार युवाओं को दी सरकारी नौकरियां —

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने इन डेढ़ वर्षों में जो काम कर दिखाया है, वह काम पूर्ववर्ती सरकार पूरे 5 साल में भी नहीं कर पाई। हमारी सरकार में प्रदेश के युवाओं को सरकारी नौकरियों के भरपूर अवसर मिल रहे हैं। हमने अब तक लगभग 91 हजार नियुक्तियां दी हैं तथा लगभग 1 लाख 54 हजार पदों पर नियुक्ति देने की प्रक्रिया विभिन्न चरणों में है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में प्राप्त 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों में से 3 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरुआत मार्च में की जा चुकी है तथा अब 4 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट धरातल पर उतरने के लिए तैयार हैं। इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर उतरने से युवाओं को निजी क्षेत्र में भी रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे।

सेवा पखवाड़े में दिव्यांगजन को स्कूटी एवं अंग उपकरण किए गए वितरित

-दिव्यांगों का सहारा बने विधानसभा अध्यक्ष

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। दिव्यांगों का सहारा बने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी। सेवा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में दिव्यांगजनो को स्कूटी एवं सुनने में सहायक उपकरण वितरित कर उन्हें आत्मनिर्भरता और नई आशा की राह दिखाई। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के तत्वावधान में मंगलवार को अजमेर में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के मुख्य आतिथ्य में मूक-बधिर विद्यालय में दिव्यांगजन को स्कूटी एवं सहायक उपकरण वितरित किए गए। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि सेवा पखवाड़े के अंतर्गत यह आयोजन केवल उपकरण वितरण भर नहीं है बल्कि यह दिव्यांगजनों के सपनों को पंख देने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि जीवन एक रणभूमि है। इसमें सभी को संघर्ष कर आगे बढ़ना पड़ता है। प्रधानमंत्री ने दिव्यांग शब्द देकर इन बच्चों की दिव्यता को सम्मान दिया है। सेवा ही सच्चा धर्म है। महात्मा गांधी के जन्मदिन तक सेवा पखवाड़े के दौरान अनेक सेवा गतिविधियां संचालित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भी सेवा भाव को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। कान की मशीन की सहायता से अब बच्चे पक्षियों की चहक, माँ की लोरी और मित्रों की ठिठोली सुन सकेंगे। यह उपकरण उनके जीवन में आशा की नई किरण जगाएँगे। लोकोमोटिव डिसऑर्डर से पीड़ित लाभार्थियों को स्कूटी उपलब्ध कराकर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर किया जा रहा है। स्कूटी से दिव्यांगजन को आजीविका में सहायता मिलेगी और गति मिलेगी। शिक्षकों और अभिभावकों की भूमिका इन्हें नए जीवन की राह दिखाने में निर्णायक सिद्ध होगी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक जयप्रकाश ने कहा कि प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार सेवा पखवाड़े के तहत वंचितों की सहायता कर देश को विकसित भारत बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर मूक-बधिर उच्च माध्यमिक विद्यालय वैशाली नगर में 150 एवं मां माधुरी बृजवासी मूक-बधिर आवासीय विद्यालय कोटड़ा में 75 मूक-बधिर विद्यार्थियों को कान की मशीनें और 40 दिव्यांगजनो को मुख्यमंत्री दिव्यांग योजना के अंतर्गत उपकरण प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने ऑपरेशन सिंदूर पर मनमोहक नृत्य नाटिका प्रस्तुत कर सभी का ध्यान आकर्षित किया।

यूडीएच मंत्री ने सीकर के धोद में किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सीकर के धोद कस्बे के अनोखूं रोड पर नवनिर्मित सेठ धर्मचंद कपूरी देवी पाटनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन मंगलवार को नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने किया। स्वास्थ्य केंद्र सेठ धर्मचंद पाटनी चैरिटेबल ट्रस्ट, कोलकाता द्वारा 5.50 करोड़ रुपये की लागत से धर्मचंद पाटनी के पुत्र विमल पाटनी, विजय पाटनी, सुरेश पाटनी, अजीत पाटनी, नरेश पाटनी और वीरेन्द्र पाटनी के सहयोग से बनाया गया है। इस दौरान यूडीएच राज्य मंत्री खर्रा ने बताया कि स्वायत शासन विभाग की तरफ से जो भी कार्यवाही होनी थी, वह पूरी कर ली गई है। जैसे ही ओबीसी आयोग की रिपोर्ट आएगी, 3–4 दिन में सीटों की लॉटरी निकालकर राज्य निर्वाचन आयोग से चुनाव की तारीखों को लेकर अनुरोध किया जाएगा। उन्होंने 13.50 लाख पट्टों की जांच पर भी प्रतिक्रिया दी और कहा कि अब तक अधिकारियों की कमी के कारण कार्य शुरू नहीं हो पाया, लेकिन जैसे ही अधिकारी उपलब्ध होंगे, जांच की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी। उद्घाटन समारोह में विधायक गोवर्धन वर्मा, सहित जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मनोहरपुर थाना के सामने पलटा मार्बल से भरा ट्रक, बड़ा हादसा टल गया

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। मंगलवार सुबह करीब 5 बजे मनोहरपुर थाना के सामने उस वक्त हड़कंप मच गया, जब जयपुर से दिल्ली जा रहा मार्बल से लदा ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर पुलिया के नीचे पलट गया। मौके पर भारी अफरा-तफरी का माहौल बन गया। गनीमत रही कि हादसे में किसी राहगीर को चोट नहीं लगी। ट्रक चालक की आंख पर हल्की चोट आई है, जबकि वाहन में भरा लाखों रुपए का मार्बल चकनाचूर होकर बर्बाद हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक तेज रफ्तार में था और चालक नियंत्रण नहीं रख पाया, जिसके चलते यह दुर्घटना हुई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को काबू में किया। थाना के सामने हुए इस हादसे ने एक बार फिर बेपरवाह रफ्तार की खतरनाक तस्वीर सामने रख दी। सौभाग्य से कोई जनहानि नहीं हुई, वरना यह बड़ा हादसा साबित हो सकता था।

उप मुख्यमंत्री ने जोधपुर के सालावास में 104.15 करोड़ रुपये के सड़क निर्माण कार्यों का किया शिलान्यास

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जोधपुर में विधानसभा क्षेत्र लूणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग के विभिन्न सड़क निर्माण कार्यों का शिलान्यास समारोह मंगलवार को ग्राम पंचायत सालावास में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी के मुख्य आतिथ्य और संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में 104.15 करोड़ रुपये के लागत से 60.70 किलोमीटर के 3 सड़क निर्माण कार्यों का विधिवत शिलान्यास किया गया। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार विकास के कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि विकसित सड़क तंत्र से प्रदेश की आर्थिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा हमारी सरकार ने महज डेढ़ वर्ष में 21 हजार 650 करोड़ रुपये व्यय कर 30 हजार 381 किमी सड़कों का विकास करवाया और 1 हजार 381 गांवों को सड़कों से जोड़ा है। उप मुख्यमंत्री ने आह्वान करते हुए कहा 'विकसित भारत और विकसित राजस्थान' के संकल्प को साकार करने के लिए प्रत्येक प्रदेशवासी की भागीदारी सुनिश्चित करनी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सड़क, शिक्षा, महिला सशक्तीकरण, रोजगार और स्वास्थ्य जैसे सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय विकास हुआ है। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर चलाए जा रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत जनसेवा के कार्यों को शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से प्राथमिकता से संपादित किया जा रहा है।

नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म से आमजन को मिल रही राहत:-

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म से दैनिक उपयोग की वस्तुओं सहित हर उत्पाद की दरों की कटौती से महंगाई में कमी आई है जिससे आमजन को राहत मिली है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने की अपील करते हुए लोगों से आग्रह किया कि वे विदेशी वस्तुओं से दूरी बनाएं और 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में कदम बढ़ाएं।

जोजरी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए कहीं कोई कमी नहीं रखी जाएगी:-

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि डबल इंजन की सरकार हर वर्ग के उत्थान एवं कल्याण के लिए अनवरत काम कर रही है। उन्होंने कहा कि 9 ग्रीन एक्सप्रेस वे के निर्माण से विकास की क्षेत्रीय विषमता दूर होगी। उन्होंने कहा सार्वजनिक निर्माण विभाग से विधानसभा क्षेत्र लूणी में 325 करोड़ 68 लाख रूपये की सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत करवाए है। पटेल ने कहा कि जोजरी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए किसी भी स्तर पर कोई भी कमी नहीं रखी जाएगी। उन्होंने कहा नई एसटीपी निर्माण के कार्य प्रगतिरत है। साथ ही बजट घोषणा के अनुरूप जोजरी के पुनरुद्धार के लिए 172.58 करोड़ रुपये के विकास कार्य स्वीकृत किए गए है। पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार ने युवा हितों पर कुठाराघात करने वाले पेपर लीक माफियाओं पर कड़ी कार्यवाही कर भर्ती प्रक्रिया को स्वच्छ एवं पारदर्शी बनाया है। उन्होंने कहा हमारी सरकार ने 5 वर्ष में 4 लाख सरकारी नौकरी देने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा इस लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में अब तक विभिन्न रोजगार उत्सवों में 91 हजार युवाओं को नियुक्ति दी गई है और 1 लाख 54 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है।

जयपुर से पंजाब बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए 3000 राशन किट, दवाइयाँ, पशुआहार से भरा ट्रक हुए रवाना

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पंजाब की पावन धरती ने हमेशा संकट की घड़ी में देश की सेवा व निस्वार्थ सहयोग दिया है। अब जब पंजाब बाढ़ त्रासदी से जूझ रहा है, तब राजधानी जयपुर से सोमवार मध्यरात्रि 1.30 बजे हीरा पथ, मानसरोवर स्थित गुरुद्वारा साहिब से एक ट्रक राहत सामग्री से भरकर रवाना हुआ। इस ट्रक के साथ कैप्टन सिंह, जितेंद्र सिंह सोनू, बलकरन सिंह, दिलप्रेंद्र कौर, जगजीत सिंह, सूरज सिंह, अमनदीप सिंह, मंजीत सिंह खालसा, युवराज सिंह सहित अन्य नौजवान साथी भी रवाना हुए। ये सभी सात दिनों तक पंजाब में रुककर घर-घर जाकर प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री वितरित करेंगे। इस कार्य में जयपुर के प्रमुख गुरुद्वारों (हीरा पथ, वैशाली नगर, चांदी की टकसाल, मालवीय नगर) के सिख समाज एवं आवाज़ रेस्क्यू फाउंडेशन ने विशेष योगदान दिया। यूथ सेवक कैप्टन सिंह और जितेंद्र सिंह ने जानकारी दी कि यह दूसरा राहत ट्रक है, इससे पूर्व 4 सितंबर को भी एक राहत ट्रक पंजाब भेजा गया था। सोमवार को रवाना किए गए ट्रक में 200 फोल्डिंग पलंग, 3000 राशन किट, चावल, दालें, सब्ज़ियां, रजाई, गद्दे, चादरें, कपड़े, सेनेटरी पैड, पशु आहार, पशुओं के लिए दवाइयाँ एवं डॉग फूड शामिल हैं। यह राहत सामग्री फिरोज़पुर, मखू गांव और जालंधर के बाढ़ प्रभावित इलाकों में वितरित की जाएगी, जहाँ पहले से ही संदीप सिंह और उनकी टीम लगातार सेवा कार्यों में जुटी हुई है। ट्रक रवाना करने के अवसर पर हीरा पथ गुरुद्वारा प्रधान एस.पी. सिंह, किशन सिंह, वैशाली नगर से बलवंत सिंह, चांदी की टकसाल से कुलदीप सिंह जोली, आवाज़ रेस्क्यू फाउंडेशन से डॉ. सिवास वनिका, सोनाली, शशांक, मलकीत सिंह खालसा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे ।

वित्त (बजट) विभाग निदेशक बृजेश किशोर शर्मा सेवानिवृत्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। वित्त (बजट) विभाग के निदेशक बृजेश किशोर शर्मा का सेवानिवृत्ति समारोह मंगलवार को शासन सचिवालय के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव, वित्त वैभव गालरिया एवं शासन सचिव, वित्त (व्यय) विभाग नवीन जैन ने निदेशक बृजेश किशोर शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे हमेशा उत्साही, समस्याओं का समाधान खोजने वाले और अपने कार्य में निष्ठावान अधिकारी रहे हैं। उन्होंने शर्मा की दूरदृष्टि और विभागीय विकास में उनके अमूल्य योगदान को विशेष रूप से सराहा। समारोह में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शर्मा के दीर्घकालीन योगदान एवं सेवाओं की सराहना की। समारोह में बताया गया कि शर्मा ने अपने कार्यकाल में बजटीय प्रबंधन, वित्तीय अनुशासन और प्रशासनिक पारदर्शिता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा कई नई पहल के माध्यम से विभाग की कार्यकुशलता और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन को बढ़ावा दिया। अपने उद्बोधन में शर्मा ने सभी सहयोगियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया और इस कार्यकाल को अपने जीवन का बहुमूल्य अनुभव बताया। समारोह में विभागीय अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

खाद्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचे

जयपुर । खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि खाद्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक पूर्ण पारदर्शिता के साथ पहुँचे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित मॉनिटरिंग करें तथा यह सुनिश्चित करें कि अपात्र व्यक्ति स्वयं योजना से बाहर हों और पात्र परिवारों को इसका लाभ प्राप्त हो। खाद्य मंत्री ने सोमवार को सीकर कलेक्ट्रेट में विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने "गिव अप अभियान" को पूर्ण सफल बनाने पर जोर देते हुए कहा कि जिले में अब तक 1 लाख 55 हजार 311 यूनिट्स ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना का त्याग किया है, जो कि पारदर्शिता और जन जागरूकता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। गोदारा ने विभागीय अधिकारियों से अपात्र लाभार्थियों जैसे आयकरदाता, राज्य एवं केंद्र सरकार के कार्मिक, चारपहिया वाहनधारी तथा एक लाख रुपये से अधिक वार्षिक आय वाले परिवार को स्वेच्छा से योजना से बाहर होने के लिए प्रेरित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि लक्ष्यानुरूप प्रगति सुनिश्चित की जाए और इसके बाद भी यदि अपात्र व्यक्ति योजना में बने रहें तो उनके विरूद्ध विधिनुसार कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि इस अभियान को जनजागरूकता से जोड़ते हुए ग्राम पंचायत से लेकर नगरीय क्षेत्रों तक व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार किया जाए। खाद्य मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का निस्तारण समयबद्ध रूप से हो तथा स्वीकृत आवेदनों का जिला स्तरीय अधिकारियों, उपखण्ड अधिकारियों, विकास अधिकारियों द्वारा औचक सत्यापन किया जाए ताकि अपात्र प्रविष्टियों की समय रहते पहचान हो सके। उन्होंने आधार सीडिंग और ई-केवाईसी की प्रगति पर बल देते हुए कहा कि डिजिटल सत्यापन से ही योजनाओं की पारदर्शिता और लक्षित वितरण सुनिश्चित किया जा सकता है। गोदारा ने बैठक में राशन डीलरों के बकाया कमीशन और परिवहनकर्ताओं के लंबित भुगतानों की उपखंडवार समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी बकाया भुगतान शीघ्रातिशीघ्र निपटाए जाएं ताकि वितरण प्रणाली सुचारू रूप से संचालित हो सके। खाद्य मंत्री ने 31 अक्टूबर तक जिले में नई उचित मूल्य दुकानों के सृजन की विज्ञप्ति पूर्ण करने तथा सभी उपखंडों में जागरूकता शिविर आयोजित कर ग्राम स्तर पर अपात्र लाभार्थियों की पहचान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

विजयादशमी पर घटवाड़ी में निकलेगा पथ संचलन

मनोहरपुर/जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर इस बार विजयादशमी को एक ऐतिहासिक पथ संचलन का आयोजन करने जा रहा है। यह आयोजन संघ की गौरवशाली परंपरा, अनुशासन और संगठन शक्ति का भव्य प्रदर्शन होगा। इस दौरान हनुमान सहाय ने बताया कि पथ संचलन का शुभारंभ पंचायत भवन, घटवाड़ी मंडल केंद्र से होगा। इसमें घटवाड़ी मार्केट, रैगर मोहल्ला और जयपुर-दौसा हाईवे मार्ग शामिल रहेंगे। इस दौरान कार्यक्रम प्रातः 8 बजे से प्रारंभ होगा। इस अवसर पर सैकड़ों स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में अनुशासनबद्ध पंक्तियों में कदमताल करते हुए निकलेंगे। स्थानीय स्तर पर भी इस आयोजन को लेकर उत्साह का माहौल है। स्वयंसेवक और आम नागरिक इसे संघ के शताब्दी वर्ष का गौरवमयी क्षण मान रहे हैं। इस दौरान आयोजकों का कहना है कि यह पथ संचलन न केवल अनुशासन और संगठन का परिचय देगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी राष्ट्रगौरव और कर्तव्यबोध का प्रेरक संदेश प्रदान करेगा।

मनोहरपुर में इस बार 51 फीट ऊँचे रावण का होगा दहन

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। शक्ति और सत्य की विजय का पर्व दशहरा इस बार मनोहरपुर में पहले से भी ज्यादा भव्य और ऐतिहासिक होगा। नगर पालिका और पुलिस - प्रशासन की चौकसी के बीच 2 अक्टूबर को दशहरा मैदान में इस बार 51 फीट ऊँचे रावण का दहन किया जाएगा। वहीं, 35-35 फीट ऊँचे कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतले भी आकर्षण का बड़ा केंद्र बनेंगे। इस दौरान नगर पालिका ईओ हरिनारायण यादव ने बताया कि मैदान की साफ-सफाई, रोशनी और सुरक्षा व्यवस्था पूरी कर ली गई है। दशहरा पर्व पर परंपरा के अनुसार सुबह 4 बजे प्रभात फेरी निकाली जाएगी। शाम को भव्य शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए दशहरा मैदान पहुँचेगी, जहाँ बड़ी संख्या में भीड़ रावण दहन का गवाह बनेगी। इधर सुरक्षा को लेकर पुलिस-प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट है। थाना प्रभारी भगवान सहाय मीणा के नेतृत्व में जाप्ता तैनात रहेगा। त्योहार को लेकर कस्बे के लोगों में जबरदस्त उत्साह है। बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक सभी को इस बार के भव्य रावण दहन का बेसब्री से इंतजार है। रोशनी, आतिशबाजी और गूंजते जयकारों के बीच दशहरा मैदान फिर से बनेगा सत्य की असत्य पर विजय का साक्षी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड वाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

सांचौर नेशनल हाईवे 68 पर सड़क हादसे में महिला कांस्टेबल चुकीं देवी की मौत

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। नेशनल हाईवे 68 पर दोपहिया वाहन चलती थी महिला कांस्टेबल देरी हो रही थी हेलमेट पहनना भूली

सड़क हादसे में महिला कांस्टेबल ने जान गवा दी। महिला कांस्टेबल चुकी देवी बाइक चलाकर सोमवार को कारोला से कमलापुर सरहद में अपने पति को एक व्यापारी प्रतिष्ठा पर छोड़कर सांचौर पुलिस थाना ड्यूटी पर लौट रही थी। इसी दौरान हाइवे पर गहरे गड्ढों के कारण बाइक का संतुलन बिगड़ गया पास से गुजर रहे टेलर की चपेट में आने से कांस्टेबल चुकी देवी बाइक से गिर गई हादसे में चुकीं देवी के सिर में गंभीर चोटें आई जिसे नजदीक के निजी अस्पताल में ले जाया गया। जहां स्थिति गंभीर होने पर रेफर कर दिया गया उसने बीच रास्ते में दम तोड़ दिया कांस्टेबल की मौत की बात परिवार में मातम छा गया वहीं सांचोर पुलिस महकमे में शोक की लहर छा गई इधर महिला कांस्टेबल की एक पोस्ट भी वायरल हो रही थी जिसमें वह हेलमेट पहनी नजर आ रही सोमवार को हादसे के दौरान चुकीं देवी ने हेलमेट नहीं पहना था और हादसे में सर में गंभीर चोट से ही उसकी मौत हुई। नेशनल हाईवे 68 पर आए दिन ऐसे हजारों हाथ से हो रहे हैं लेकिन प्रशासन का ध्यान इधर नहीं गया अब तक पता नहीं किसका इंतजार कर रहे हैं दो दिन पूर्व ही दुपहिया वाहन चालक नेशनल हाईवे के चौराहे पर टेलर की चपेट में आने पर उसके दोनों पांव फैक्चर हो चुके थे वो अभी भी जिन्दगी ओर मौत के बीच लड़ रहा है लेकिन नेशनल हाईवे की घटिया निर्माण को लेकर भारी रोष है। नेशनल हाईवे 68 गरडाली से गांधव तक करीब 40 किलोमीटर सड़क का हिस्सा राजस्थान के हिस्से में है इस टूट चुके मार्ग को करीब 2 साल पूर्व 33 करोड़ की लागत से नया बनाया गया कार्य की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े हुए थे, लेकिन किसी तरह की जांच और कार्रवाई नहीं हुई अभी तक यह मार्ग गारंटी पीरियड में है लेकिन पूरी तरह से टूट चुका है।

शहर चलो अभियान शिविर नगर परिषद धर्मशाला में लगवाए जाने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बारां (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष शिवशंकर यादव के नेतृत्व में शहर चलो अभियान में हो रही अव्यवस्था को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया है। मीडिया प्रभारी कुलदीप मीणा भूलाहेड़ी ने बताया ज्ञापन में यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा शहर चलो अभियान के नाम से शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। समस्त नगर परिषद के कर्मचारी प्रत्येक वार्ड के शिविर में जा रहे हैं, जिससे आमजन अपने कार्य के लिए नगर परिषद के चक्कर काट रहे हैं। कर्मचारियों का संबंधित वार्ड के कार्य के लिए मूल फाइल के लिए नगर परिषद आना पड़ रहा है। जिससे दूरदराज से आने वाले आमजन जन्म मृत्यु, विवाह पंजीयन, निर्माण की इजाजत, विद्त व नल की एनओसी के लिए आमजन व कर्मचारी दोनों ही परेशान हैं। शहर चलो अभियान शिविर स्थाई रूप से नगर परिषद धर्मशाला में लगाया जाए, जिससे आमजन को राहत मिल सके। कच्ची बस्ती निवासियों के लिए राजकीय भूमि नियमन के पटटे जारी किए जाए, जिससे कच्ची बस्ती में रहने वाले गरीब मजदूर एससी, एसटी के लोगों को राहत प्रदान की जाए। नियमन शुल्क, पटटा शुल्क, लीज शुल्क, भवन निर्माण इजाजत में छूट दी जाए, जिससे आमजन को राहत मिले व अपने मकान के पटटे बनवा सके। जिससे उनको प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिल सके। पिछली कांग्रेस सरकार ने गरीबों को पुस्तैनी 69ए राजकीय भूमि नियमन के पटटों में दस्तावेजों की छूट दी गई व राशि में छूट दी गई थी। यादव ने जिला कलेक्टर से मांग की है कि हमारी बात को मुख्यमंत्री से पहुंचाया जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके। ज्ञापन देने वालों में आशाराम बैरवा कुलदीप मीणा, नगर अध्यक्ष रोहित गुर्जर, सुरेन्द्र पांचाल, पवन, विजय बैरवा युवा नेता जुगल पांचाल, लीलाधर बैरवा, वीरेंद्र शांत, सोनू वाल्मिकी नगर सचिव, धीरज वैष्णव नगर उपाध्यक्ष आदि शामिल रहे।

डॉ. रईस अहमद को मिली पीएचडी मेडिसिन माइक्रोबायोलॉजी की उपाधि

कोटा (रॉयल पत्रिका)। राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग शोधार्थी डॉक्टर रईस अहमद को आरयूएचएस जयपुर से पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने अपना शोध कार्य "दी स्टडी ऑफ चेंजिंग ट्रेंड इन मिनिमम इन्हीबिटरी कंसीट्रेशन (एम आई सी) ऑफ वैंकोमाइसिन रेसिस्टेंट स्टीफायलोकोकस ओरियस (वि आरएसए) बाय अगार डायलुशन मेथड एंड इट्स कंपेरिजन विद इ - टेस्ट एट गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज कोटा" विषय में मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की सीनियर प्रोफेसर डॉ. अनीता ई चांद (एम डी) के निर्देशन में पूर्ण किया है। डॉ. रईस अहमद ने डॉ. अनीता इ चांद (सीनियर प्रोफेसर, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज कोटा) के द्वारा इस शोध कार्य में किए गए मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। डॉ. रईस अहमद वर्तमान में सुधा मेडिकल कॉलेज जगपुरा कोटा में माइक्रोबायोलॉजी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं।

वाल्मीकि समाज ने जिला कलेक्टर से गरीब बेवा को ज़मीन का कब्ज़ा दिलाने की मांग

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय वाल्मीकि समाज के अध्यक्ष द्वारका प्रसाद जावा के नेतृत्व में गढ़वाड़ा गाँव के दर्जनों समाजजन सोमवार को जिला कलेक्टर एल.एन. मंत्री, सांसद पी.पी. चौधरी तथा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ से मिले। उन्होंने रोहट क्षेत्र के गढ़वाड़ा गाँव की रामुड़ी वेवा पूना हरिजन को उसकी आवंटनशुदा ज़मीन का कब्ज़ा दिलाने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि वर्ष 1974 में तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी द्वारा दलित गरीबों को ज़मीनें आवंटित की गई थीं। उसी क्रम में पूना वाघा हरिजन को ग्राम पंचायत खुण्डावास के सुकरलाई सरहद में खसरा नं. 88, रकबा 6 बीघा 1 बिस्वा भूमि आवंटित की गई थी। पूना वाघा के निधन (2011) के बाद पास के खसरा नं. 88/1 के लालसिंह पुत्र अजीतसिंह (कांग्रेस प्रत्याशी 2018 महावीरसिंह सुकरलाई के पिता तथा वर्तमान रोहट प्रधान सुनीता कंवर राजपुरोहित के ससुर) ने कथित रूप से दबाव और प्रभाव का उपयोग कर इस भूमि पर कब्ज़ा कर लिया।

झारिया गांव के युवाओं द्वारा खाद्य सामग्री की गाड़ी पंजाब राहत पीड़ितों के लिए रवाना

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती झारिया ग्राम से पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए राशन सामग्री का एक पिकअप लोड कर कमेटी मदीना मस्जिद झारिया ग्राम वासियों के युवाओ ने रवाना किया जिसमें राशन की सभी ज़रूरतमंद सामान की किट बनाकर भेजा गया है गांव के इलियास खान ने बताया मानवता की मदद करना इंसान का धर्म है पंजाब के भाइयों पर आपदा के समय सभी देश के कोने-कोने से मदद पहुंची है उसी का नाम इंसानियत है अल्लाह मालिक पंजाब को जल्द से जल्द पहले जैसा खुशहाल बनाए सभी पंजाब के भाइयों को दुख दर्द सहने की हिम्मत - ताकत दे। कमेटी के सदस्य शाहनु व्यापारी, अख्तर, मोलाना कारी लतीफ, खान मोहम्मद, जाकिर खान, इलियास खान, मुबारक खान, युसूफ खान, आसिफ खान, अल्ताफ खान, खुशी मोहम्मद, आदिल खान, वाहीद खान, अक़बर खान, दाउद खान, अनवर खान आदि काफी संख्या में युवाओं ने खाद्य सामग्री की गाडी तिरंगा झंडा लहराकर रवाना किया और देश के लिए अमन चैन की दुआएं की गई।

उम्मेद गोठवाल को डॉक्टरेट की उपाधि

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। हिंदी एवं राजस्थानी के प्रख्यात साहित्यकार उम्मेद गोठवाल को पीएच.डी. की उपाधि मिली है। डॉ. गोठवाल ने "भैरव प्रसाद गुप्त के उपन्यासों में प्रगतिवादी चेतना का अनुशीलन" विषय पर 'श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टीबरेवाल यूनिवर्सिटी, चूड़ैला, झुंझुनू' के हिंदी विभाग से डॉ. धनेश कुमार मीणा के निर्देशन में शोध कार्य पूर्ण किया है। डॉ. गोठवाल फिलहाल चूरू के राजकीय लोहिया महाविद्यालय में एसोशिएट प्रोफेसर एवं हिंदी विभागाध्यक्ष हैं। उल्लेखनीय हैं कि हिंदी साहित्यिक पत्रिका 'अनुक्षण' के संपादक रह चुके डॉ. गोठवाल की हिंदी एवं राजस्थानी में कई पुस्तकें छपी हैं। गोठवाल राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर की संचालिका-सरस्वती सभा के सदस्य रह चुके हैं तथा राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर के सर्वोच्च सूर्यमल्ल मीसण शिखर पुरस्कार सहित कई पुरस्कार आपको मिल चुके हैं।

खेड़ापति हनुमान मंदिर में चतुर्थ दुर्गा पूजा महोत्सव

-सुख समृद्धि की कामना की, बच्चे के लिए निबंध प्रतियोगिता

चूरू (रॉयल पत्रिका)। शहर के खेड़ापति हनुमान मंदिर में नया बास में चल रही चतुर्थ दुर्गा पूजा महोत्सव में आज अष्टमी को प्रमोद शर्मा ने सपत्नीक माँ महागौरी की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान महिमा सैनी, द्वितीय स्थान मेघा शर्मा व तृतीय स्थान कनिष्का प्रजापत को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कविता पाठ में प्रथम स्थान गौरव प्रजापत, द्वितीय स्थान भरत कम्मा व तृतीय स्थान रजत पारीक को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डॉ. सुशीला जोशी ने कहा कि समय समय पर ऐसे आयोजन करने चाहिए जिससे भावी युवा पीढ़ी को अपने धर्म व आस्था की पहचान हो। विशिष्ट अतिथि शिक्षिका रेणु स्वामी ने कहा कि ऐसे धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न प्रतियोगिताओं से आने वाली पीढ़ी में एक नया संचार होगा। इस मौके पर सयोंजक प्रदीप सैनी सह सयोजक गजेन्द्र सिंह, महावीर स्वामी, किशनलाल किरोड़ीवाल, बजरंग प्रजापत, सचिन शेखावत, बिट् प्रजापत, गोपाल सिंह, बजरंग नानवाल, नंदकिशोर सैनी, सोनू शर्मा आदि लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रेखा शर्मा ने किया।

लाडनूं में विशाल मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

-क्षेत्र की 165 प्रतिभाओं का किया गया सम्मान

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। नूर फाउंडेशन के तत्वावधान में मंगलवार को आठ वीं पट्टी स्थित हाथी नोहरा में सुबह 10 बजे से उपखंड स्तरीय मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें क्षेत्र की 165 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। नूर फाउंडेशन के संरक्षक/अध्यक्ष डॉ. गुलाब नबी सिसोदिया ने बताया कि समारोह में लाडनूं विधायक मुकेश भाकर, पूर्व मदरसा बोर्ड अध्यक्ष हिदायत खान धोलिया एवं सेवानिवृत आईएएस जाकिर हुसैन जयपुर, जनसेवक लियाकत अली, दलित नेता कालूराम गेनाणा, छात्र नेता शुभम रेवाड़, हमीद खां जयपुर, डाक्टर शमशाद अली चूरू, डीवाईएसपी विक्की नागपाल, डॉ. बी एस रूहेला बतौर अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में शामिल हुए तथा शिक्षा, समाजसेवा, पर्यावरण, पत्रकारिता, सरकारी नौकरियो आदी में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित करके उनकी हौसला अफजाई की गई। कार्यक्रम में भामाशाह, समाजसेवी, पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने वाले व्यक्तियों, बोर्ड कक्षाओं में 80% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मान से नवाजा जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मुस्लिम प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन करना है, ताकि वे आगे भी समाज एवं देश के विकास में अपना योगदान देते रहें। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतू समिति द्वारा विभिन्न कमेटियों का गठन कर अलग अलग अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई है जिन्होंने अपनी भली-भांति जिम्मेदारी निभाई। इस अवसर पर क्युम सिसोदिया, पुर्व पार्षद रमजान सिसोदिया, पार्षद नोशाद सिसोदिया, पार्षद मुनसब खां, मोहम्मद अनीस, डाक्टर आलम अली सिसोदिया, मुख्य चीफ शहर काजी सैयद मोहम्मद अली असरफी, मौलाना मोहम्मद मदनी, मौलाना मोहम्मद शकिल, पुर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष भाणू खां टांक, सामाजिक कार्यकर्ता मो. मुश्ताक खान कायमखानी, सबीर खां लाडवाण, सैयद इरफान अली, कमरान बड़गुर्जर, आबिद बल्खी, इमरान खान, शरीफ तंवर, मास्टर फरमान, वशीम सिलावट, मंच संचालन राजूदान चारण व मास्टर इंशाफ खान ने संयुक्त किया।

गीतांजली हॉस्पिटल बना मेडिकल पार्टनर

- गोयल हॉस्पिटल द्वारा आयोजित अग्रामैराथन में सहभागिता

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गोयल हॉस्पिटल द्वारा वर्ल्ड हार्ट डे के अवसर पर आयोजित अग्रामैराथन में गीतांजली हॉस्पिटल ने मेडिकल पार्टनर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस आयोजन का उद्देश्य आमजन में हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना था। मैराथन के दौरान गीतांजली हॉस्पिटल की मेडिकल टीम ने प्रतिभागियों को तुरंत स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराई और पूरे कार्यक्रम में चिकित्सा सेवाएँ प्रदान की। इस अवसर पर गीतांजली ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल, सीईओ ऋषि कपूर, हृदय रोग विभाग के एचओडी डॉ. रमेश पटेल एवं उनकी टीम, कार्डियक सर्जरी विभाग के एचओडी डॉ. संजय गांधी एवं उनकी टीम ने इस मैराथन की सराहना की और आयोजन की सफलता की शुभकामनाएँ दीं। गीतांजली हॉस्पिटल सदैव जनहित के लिए स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भागीदारी करता रहा है और भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक व स्वास्थ्य उन्मुख कार्यक्रमों में योगदान देता रहेगा।

सिद्धपीठ श्री रायमाता गांगियासर धाम में रायमाता को 1111 किलो के महा लड्डू का लगाया भोग

-महेन्द्र चंदवा परिवार की और से 2014 से लगातार 1111 किलो के महा लड्डू का लगता है महाभोग

चूरू/झुंझुनू/घांघुगांव (रॉयल पत्रिका)। गांगियासर में मंगलवार को सिद्धपीठ श्री रायमाता गांगियासर धाम में शेखावाटी के सुप्रसिद्ध श्री रायमाता के लक्खी मेळे का शुभारंभ भाजपा जिला मंत्री महेंद्र चंदवा परिवार के सौजन्य से 1111 किलो के महालड् का भोग पृथ्वी गिरि महाराज, साध्वी करुणागिरि, महंत दशमी गिरि महाराज के सानिध्य में श्री रायमाता को लगाया गया। इस अवसर पर संतों एवं पधारे हुए अतिथियों ने महेन्द्र चंदवा परिवार को इस धार्मिक और सांस्कृतिक पुण्य कार्य के लिए साधुवाद दिया और कहा की इस प्रकार के धार्मिक, सांस्कृतिक व सामाजिक कार्यों में अपने कमाये हुए धन का सदुपयोग करना ही उत्तम कार्य है। इस पावन मौके पर विभाग प्रचारक मुकेश भाई, नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल, उद्योगपति मूलचंद कारगवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्यारेलाल ढुकिया, मंदिर कमेटी के अध्यक्ष लादुराम बिडसर, महंत रविनाथ, पूर्व प्रधान गिरधारीलाल खीचड़, सांवरमल प्रजापत, विजय कुमार, कृष्ण कुमार, प्रवेश सिहाग विशेष रूप से मौजूद रहे। भाजपा जिला मंत्री महेन्द्र चंदवा ने बताया की श्री रायमाता की कृपा व मेरे माता पिता पाना देवी व सांवरमल के आशीर्वाद से 2014 से लगातार श्री रायमाता को 1111किलो के महालड् का भोग लगा कर श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया जाता है। उन्होंने बताया कि इसमें उनके छोटे भाई विजय कुमार, कृष्ण कुमार का विशेष सहयोग रहता है। इस मौके पर मंदिर में आए भक्तजनों को महालड् का प्रसाद वितरित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस : एक अक्टूबर को शतायु मतदाता सम्मानित होंगे

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। एक अक्टूबर 2025 को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर सवाई माधोपुर क्षेत्र के सभी 100 वर्ष या इससे अधिक आयु (शतायु) के मतदाताओं को निर्वाचन विभाग की ओर से सम्मानित किया जाएगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजय शर्मा ने बताया कि राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन के निर्देश पर जिले के वरिष्ठ मतदाताओं को देश की निर्वाचन प्रक्रिया में उनके निरंतर योगदान के जरिए भारतीय लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने में भागीदारी निभाने के लिए सम्मानित किया जा रहा है। एक अक्टूबर 2025 बुधवार को पंचायत स्तर पर 100 वर्ष या इससे अधिक आयु के मतदाताओं लिए सार्वजनिक सम्मान समारोह होंगे। वरिष्ठ मतदाताओं के लिए सम्मान कार्यक्रम सार्वजनिक रूप से पंचायत भवन अथवा स्कूल भवन में आयोजित होंगे। इनके लिए स्थानीय स्तर पर सम्मान समिति में स्थानीय शिक्षक, ग्राम पटवारी, सुपरवाइजर, बीएलओ, पंचायत सचिव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और स्वास्थ्य कार्यकर्ता शामिल होंगे। समारोह में वरिष्ठ शतायु मतदाताओं को माला पहनाकर तथा राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी जयपुर की ओर से प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। सम्मान कार्यक्रम के दौरान लोकतंत्र में आमजन की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित मतदाता जागरूकता के लिए निर्वाचन विभाग की स्वीप गतिविधियां का आयोजन होगा। राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी जयपुर द्वारा निर्देशित किया है कि एक पंचायत मुख्यालय क्षेत्र में 100 या इससे अधिक आयु वर्ग के मतदाता निवासरत हैं, तो यथासंभव एक ही स्थान पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. ऐसे शतायु मतदाता, जो कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होने में असमर्थ हैं, उनके घर जाकर सम्मान किया जाएगा।

जिले में दिव्यांगजनों को श्रवण यंत्र, ट्राइसाइकिल और व्हीलचेयर सहित सहायक उपकरण वितरित

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। सेवा पंखवाड़ा 2025 के तहत मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 43 दिव्यांगजनों को श्रवण यंत्र, 15 को ट्राइसाइकिल, 5 को व्हीलचेयर और एक दिव्यांगजन को स्मार्ट केन वितरित किए गए। सभी लाभार्थियों ने राज्य सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग उपनिदेशक विक्रम सिंह ने सेवा पंखवाड़ा के तहत हुए कार्यक्रम की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. रामप्रताप चौधरी ने राज्य सरकार की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने समाज के प्रत्येक वर्ग को सेवा पंखवाड़े के तहत लाभान्वित किया है। चौधरी ने दिव्यांगजन की सेवा को ईश्वरीय सेवा बताया और कहा कि हमारा उद्देश्य उन्हें सम्मानित नागरिक की अनुभूति दिलाना है। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रमोद डेलू ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने हर वर्ग का ध्यान रखा है और योजनाओं का लाभ ग्रामीण-शहरी सेवा शिविरों के माध्यम से गांव और शहर के हर वार्ड तक पहुंचाया जा रहा है। जिला स्तरीय कार्यक्रम में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी किया गया।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 362 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इसके साथ ही 1.87 लाख निर्माण श्रमिकों एवं आश्रितों के खातों में 209 करोड़ रुपए का डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरण किया गया। कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री सहित एडीएम उम्मेदी लाल मीणा, जनप्रतिनिधि प्रदीप ऐरी, देवेंद्र पारीक, ओम सोनी, कृष्णा तायल, आशीष पारीक, श्रीमती गुलाब सिंवर तथा हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड के जिला अध्यक्ष विकास गुप्ता, गुरु गोविंद सिंह चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन बाबूलाल जुनेजा, अश्विनी पारीक, जिला श्रम कल्याण अधिकारी देवेंद्र मोदी, नगर परिषद आयुक्त सुरेंद्र यादव, उद्योग महाप्रबंधक श्रीमती आकाशदीप सिद्, जनप्रतिनिधि, विभिन्न समाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और आमजन मौजूद रहे।

पीपल्स ग्रीन पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सैनी करेंगे विधानसभाओं का दौरा राजेंद्र सिंह शेखावत

चूरू (रॉयल पत्रिका)। पीपल्स ग्रीन पार्टी राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सैनी चूरू लोकसभा की सभी विधानसभाओं का दौरा करेंगे। पीपल्स ग्रीन पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता राजेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सैनी, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुधांशु केनिर्देशानुसार सभी लोक सभाओं और उनके अंतर्गत आने वाली विधानसभाओं का दौरा करेंगे। राष्ट्रीय समिति और प्रदेश कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में प्रत्येक लोकसभा में दो संभाग प्रधान, दो लोकसभा प्रमुख, दो विधानसभा प्रभारी और बीस विधानसभा सह प्रभारी मनोनीत किये गए हैं। शेखावत ने बताया है कि प्रदेश अध्यक्ष संभाग प्रधानों और लोकसभा प्रमुखों को साथ लेकर विधानसभाओं के प्रभारियों से मिलेंगे और सह प्रभारियों सहित सबको साथ लेकर वार्ड/ग्राम पंचायत स्तर पर सीडब्ल्यूसी गठन पर काम करेंगे, तदनुसार प्रदेश अध्यक्ष सभी लोक सभाओं सहित और सभी विधानसभाओं में सीडब्ल्यूसी गठन की रिपोर्ट राष्ट्रीय समिति को देंगे। सत्यनारायण सैनी अपनी यात्रा अपने गृह जिले चूरू की विधानसभाओं से आरम्भ करेंगे और बुधवार को विधानसभा सरदारशहर के दौरे पर रहेंगे।

दलित एवं आदिवासी वर्ग को संबल दे रही डॉ. भीमराव अम्बेडकर उद्यम प्रोत्साहन योजना

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य के औद्योगिक विकास में पिछड़े औ वंचित वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संचालित डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजस्थान दलित, आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना ने दलित एवं आदिवासी वर्ग के बेरोजगारों, उद्यमियों और व्यापारियों को आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ने का अवसर दे रही है। योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा उद्योग लगाने, विस्तार करने, विविधीकरण और आधुनिकीकरण के लिए वित्तीय सहयोग उपलब्ध करवाया जा रहा है। विनिर्माण क्षेत्र हेतु अधिकतम 10 करोड़ रुपये, सेवा क्षेत्र हेतु 5 करोड़ रुपये और व्यापार क्षेत्र हेतु 1 करोड़ रुपये तक की परियोजना लागत पर ऋण सुविधा दी जा रही है। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र के महाप्रबंधक हरीश मित्तल ने बताया कि आवेदकों को न्यूनतम अंशदान करना होता है। विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र में न्यूनतम 10 प्रतिशत और व्यापार क्षेत्र में न्यूनतम 15 प्रतिशत। मित्तल ने बताया कि ऋण पर 5 वर्ष तक ब्याज अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। इसमें 25 लाख रुपये तक के ऋण पर 9 प्रतिशत, 25 लाख से अधिक और 5 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 7 प्रतिशत तथा 5 करोड़ से अधिक और 10 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 6 प्रतिशत ब्याज अनुदान मिलता है। इसी के साथ परियोजना लागत पर 25 प्रतिशत अथवा अधिकतम 25 लाख रुपए की मार्जिन मनी सब्सिडी का लाभ भी देय है। यह प्रावधान न सिर्फ राहत देता है बल्कि उद्यमियों को अपने कार्य पर ध्यान केंद्रित करने का विश्वास भी प्रदान करता है।

कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने मेडिसन विंग का किया अवलोकन

-भामाशाह कन्हैया लाल मूंधड़ा से दूरभाष पर की बात, सहयोग को बताया अनुकरणीय

बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने सोमवार को नवनिर्मित मेडिसिन विंग का अवलोकन किया। उन्होंने श्रीमती सीएम मूंधड़ा मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा किए गए इस कार्य की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भामाशाह परिवार द्वारा किया गया यह कार्य दशकों तक हजारों रोगियों के लिए वरदान साबित होगा। उन्होंने विभिन्न वार्डों, प्रतीक्षालय, चिकित्सकों के चैंबर, आईसीयू, लाइब्रेरी आदि का अवलोकन किया और निर्माण कार्य की गुणवत्ता की सराहना की। कृषि मंत्री ने कहा कि 100 करोड़ रुपए से अधिक राशि दान करते हुए इतना भव्य भवन बनाना अनुकरणीय है। 527 बैड का यह मेडिसिन विंग बीकानेर के चिकित्सा जगत के लिए नया कीर्तिमान होगा। उन्होंने मां दुर्गा का पूजन भी करवाया। कृषि मंत्री ने ट्रस्टी कन्हैया लाल मूंधड़ा से दूरभाष पर बात करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि अपनी मातृभूमि के लिए इतनी बड़ी सोच के साथ काम करना दूसरों के लिए प्रेरणादाई है। कृषि मंत्री ने अपने विद्यार्थी जीवन से जुड़ी यादें साझा की और कहा कि बीकानेर से उनकी डॉक्टरी की शिक्षा हुई है। इस कारण इस शहर से उन्हें बेहद लगाव है। मूंधड़ा ने आगामी दिनों में होने वाले उद्घाटन समारोह के लिए मंत्री मीणा को आमंत्रित किया। जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष द्वारका प्रसाद पचीसिया ने अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट की मंशा है कि अस्पताल सरकार को सुपुर्द करने के बाद इसकी सुरक्षा और सफाई व्यवस्था ट्रस्ट द्वारा सरकार की देखरेख में की जाए। इसके लिए आवश्यक कार्यवाही में सहयोग का आग्रह किया।

बसेड़ी में दी जीएसटी छूट की जानकारी

धौलपुर (रॉयल पत्रिका)। सरकार की ओर से 29 सितम्बर तक जीएसटी बचत उत्सव अभियान घोषित किया गया है जिसके तहत सरकार द्वारा जीएसटी कर दर में दी गई राहत से मिलने वाले लाभ को अधिक से लोगों तक पहुँचाना सुनिश्चित किया जाना है। इसी क्रम में जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी के निर्देशन में बसेड़ी में वाणिज्यिक कर विभाग की ओर से व्यापारियों एवं आमजनों के साथ सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में वाणिज्यिक कर कार्यालय की ओर से राज्य कर अधिकारी दीपक कुमार शर्मा, सतेन्द्र तिवारी, हरवीर मीणा तथा सहायक प्रशासनिक अधिकारी रामकेश मीणा उपस्थित रहे। सभा में बसेड़ी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुखराम सिंह परमार, पूर्व अध्यक्ष अग्रवाल महासभा ओमप्रकाश गर्ग, अधिवक्ता रामअवतार सिंह परमार, हीरो एजेन्सी के मालिक मधुसूदन परमार, बिल्डिंग मैटेरियल व्यापारी हजारी लाल मित्तल के साथ आमजन भी उपस्थित रहे। वाणिज्यिक कर विभाग की ओर से नवीन जीएसटी दरों से सम्बन्धित पम्पलेट्स भी वितरित किये गये। व्यापारियों तथा आमजन द्वारा केन्द्र सरकार द्वारा जीएसटी दरों में दी गई राहत पर खुशी जाहिर की गई।

गुजरात के "गरबा" की तर्ज पर राजस्थान के "घूमर" को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की तैयारी

डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में होगा "घूमर फेस्टिवल 2025" का आयोजन

बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की पारंपरिक लोक नृत्य शैली घूमर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में पर्यटन विभाग की ओर से नई पहल की जा रही है। गुजरात के गरबा की तरह अब राजस्थान का घूमर भी बड़े पैमाने पर आयोजित कर प्रमोट किया जाएगा। राज्य के सभी संभाग मुख्यालयों पर आगामी 15 नवंबर को घूमर फेस्टिवल 2025 का आयोजन होने जा रहा है। घूमर फेस्टिवल की तैयारी को लेकर सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में एडीएम सिटी रमेश देव की अध्यक्षता में समन्वय बैठक का आयोजन किया गया।

राज्य के सातों संभाग मुख्यालयों पर होगा आयोजन-

बैठक में पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक अनिल राठौड़ ने बताया कि राज्य के सभी सातों संभाग मुख्यालयों बीकानेर, अजमेर, जयपुर, जोधपुर, भरतपुर, उदयपुर और कोटा पर 15 नवंबर की शाम 6 बजे घूमर फेस्टिवल 2025 का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में राजस्थानी वेशभूषा और लोकगीत के साथ प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इससे जैसे गुजरात का गरबा यूनेस्को की सांस्कृतिक धरोहर सूची में शामिल हुआ है, उसी तरह राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर घूमर को संरक्षण मिलेगा और घूमर ब्रांड राजस्थान की पहचान के रूप में स्थापित होगा।

बीकानेर में डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में आयोजित होगा फेस्टिवल-

बीकानेर में यह फेस्टिवल डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। जहां दो बड़े स्टेज बनाए जाएंगे। साथ ही उद्योग विभाग,महिला एवं बाल विकास विभाग इत्यादि की ओर से देशी उत्पादों को प्रमोट करने वाली विभिन्न स्टॉल भी लगाई जाएगी।

फेस्टिवल में कौन बन सकेगा प्रतिभागी-

राठौड़ ने बताया कि फेस्टिवल में प्रतिभागी 12 वर्ष से ऊपर की सभी बालिकाएं और सभी महिलाएं बन सकेंगी। सभी स्कूल, कॉलेज की बालिकाएं, डांस स्कूल, एकेडमी ,गृहिणी, कामकाजी महिलाएं, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं हिस्सा ले सकेंगी। खास बात फेस्टिवल में हिस्सा लेने वाले सभी प्रतिभागियों को पर्यटन विभाग की साइट पर जाकर दिए गए लिंक पर रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य होगा। रजिस्ट्रेशन एकल और ग्रुप दोनों रूप में करवाए जा सकेंगे। रजिस्ट्रेशन निशुल्क होगा। रजिस्ट्रेशन का कार्य अक्टूबर प्रथम सप्ताह से शुरू होगा। जिसके बारे में जल्द ही जानकारी दे दी जाएगी। फेस्टिवल में रजिस्ट्रेशन करवाने वाले सभी प्रतिभागियों को आयोजन के पश्चात ऑनलाइन सर्टिफिकेट भी जारी किया जाएगा।

जिला कलक्टर ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक में दिए सेवा शिविरों की प्रभावी क्रियान्विति एवं योजनाओं की प्रगति बढ़ाने के निर्देश

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर लोकबंधु की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने सेवा शिविरों, राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं तथा विकास कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर आमजन को तत्काल राहत उपलब्ध कराने का सशक्त माध्यम हैं। इसके लिए सभी अधिकारी सुनिश्चित करें कि शिविरों में अधिक से अधिक लाभार्थियों को योजनाओं का फायदा मिल सके तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं हो। बैठक में सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स के सभी 17 घटकों की प्रगति पर चर्चा की गई। जन्म-मृत्यु पंजीयन समिति के कार्यों की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में समय पर पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए और निर्धारित समयावधि में प्रमाण पत्र जारी हों। इससे किसी प्रकार की पेंडेंसी नहीं रहे। सेवा शिविरों की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि जहां शिविर आयोजित हो चुके हैं वहां भी लक्ष्यों की पूर्ति नहीं होने पर फॉलो अप कैंप लगाए जाएं तथा शेष शिविरों में जिला स्तरीय अधिकारी अनिवार्य रूप से निरीक्षण करें। उन्होंने शिविर में बीपीएल परिवारों का सर्वे पूर्ण करने तथा लाभ वितरण सुनिश्चित करने, लक्ष्य अर्जन में आई कमी की पहचान कर अतिरिक्त प्रयास करने तथा समस्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की शिविरों में उपस्थिति अनिवार्य बनाने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को पालनहार योजना के लंबित नवीनीकरण पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय पोर्टलों पर समय पर प्रगति दर्ज कराने को कहा। उन्होंने ऑनलाइन सेवाओं जैसे जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास एवं अन्य दस्तावेजों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सेवा पखवाड़े के तहत आयोजित गतिविधियों जैसे रक्तदान शिविर, एक पेड़ माँ के नाम अभियान आदि की प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने शिविरों से पूर्व किए जाने वाले सर्वे में ढीले विद्युत तारों, टेढ़े खंभों आदि को चिह्नित कर दुरुस्त करने और शिविरों में प्राप्त मांगपत्रों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने महिला अधिकारिता विभाग को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में लाभ वितरण, जल संसाधन विभाग को बांधों एवं तालाबों की पाल की मरम्मत सूची तैयार करने, जलभराव क्षेत्रों का चिन्हीकरण करने तथा बांधों के गेट लगाने के प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिए। साथ ही हरियालो राजस्थान अभियान के शेष लक्ष्यों को शीघ्र पूरा करने, विद्युत विभाग को कुसुम योजना के प्रगति कार्यों में तेजी लाने तथा सार्वजनिक निर्माण विभाग को सड़कों की मरम्मत समय पर कराने को कहा।

संपर्क पोर्टल पर दर्ज परिवेदनाओं का समय पर प्रभावी मॉनिटरिंग कर शीघ्र निस्तारण करें

-साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह के निर्देशन में अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश चंद्र धाकड़ की अध्यक्षता में सोमवार को जिला परिषद के ईडीपी सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई ।

जिला परिषद के ईडीपी सभागार में बैठक में उन्होंने पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालना में समस्त विभागीय अधिकारियों के साथ विभागवार किए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में उन्होंने विभागवार समीक्षा करते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग से जिले में हैंडपंपों की स्थिति, ओपनवेल की साफ सफाई, सार्वजनिक निर्माण विभाग से सड़कों के मरम्मत करवाने, विद्युत विभाग से पीएम सूर्यघर बिजली योजना के कनेक्शन की प्रगति, ट्रांसफार्मर की स्थिति, विद्युत सप्लाई, पशुपालन विभाग से मंगला पशु बीमा योजना में रजिस्ट्रेशन, उद्योग विभाग के अधिकारी से किए गए एमओयू की अब तक प्रगति रसद विभाग से ई केवाईसी तथा खाद्य सुरक्षा से नाम जोड़ने की प्रगति एवं शेष कार्य में प्रगति लाने, समाज कल्याण विभाग से पालनहार योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संपर्क पोर्टल पर दर्ज परिवेदनाओं का समय पर प्रभावी मॉनिटरिंग कर शीघ्र निस्तारण करें तथा ई फाइल में प्रगति लाने के निर्देश दिए। साथ ही सहकारिता विभाग के अधिकारी से अक्टूबर माह में प्रारंभ होने वाले सहकार सदस्यता अभियान की पूर्व से ही तैयारी करने के निर्देश दिए।

नगर पालिका सागवाड़ा में जीएसटी बचत उत्सव अभियान

व्यापारियों, किसानों, गरीबों, महिलाओं, छात्रों और मध्यम वर्ग को जीएसटी 2.0 के तहत किए गए बदलावों की दी जानकारी

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। वाणिज्यिक कर विभाग के निर्देशानुसार जीएसटी बचत उत्सव अभियान के अंतर्गत जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह के निर्देशन में सोमवार को सागवाड़ा नगरपालिका में आयोजित सेवा शिविर में भाग लेकर आमजन एवं उपभोक्ताओं को जीएसटी 2.0 के तहत किए गए बदलावों के बारे में विस्तृत जानकारी से अवगत कराया। व्यापारियों, किसानों, गरीबों, महिलाओं, छात्रों और मध्यम वर्ग के लोगों को इस बदलाव से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी तथा कर दरों में हुई कमी के प्रति जागरूक किया ताकि उपभोक्ता सीधे लाभान्वित हो सकें। अभियान के दौरान विभागीय अधिकारियों एवं जिले के विभिन्न ऑटोमोबाइल डीलरों से व्यक्तिगत रूप से और दूरभाष पर सम्पर्क कर संवाद के माध्यम से आमजन के जीएसटी बचत उत्सव के प्रति बढ़ते रुझान की जानकारी ली। उन्होंने बाइक, स्कूटर, ट्रैक्टर एवं अन्य उपकरणों की कर दरों में आई कमी का तुलनात्मक आकलन किया, जिससे खरीदारों को कीमतों में आमजन को राहत मिले सके। जीएसटी बचत अभियान के तहत नगर पालिका सागवाडा शिविर में पुनीत पंडया, राज्य कर अधिकारी लक्ष्मण मीणा, राज्य अधिकारी भावेश त्रिवेदी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी एवं नगरपालिका अध्यक्ष आशिष गांधी, समाज सेवी हरिश सोमपुरा अनिल वाडील सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि गण उपस्थित रहें।

बाड़मेर के मालाणी महोत्सव सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का अभिनव पहल

-उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री मालाणी महोत्सव के समापन समारोह में पहुंचे सैकड़ों आमजन

बाड़मेर (रॉयल पत्रिका)। बाड़मेर में मालाणी महोत्सव के समापन समारोह के दौरान कलाकारों ने बेहतरीन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान राजस्थान का खजुराहो किराडू आमजन के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। विश्नोई ने कहा कि मालाणी महोत्सव सीमांत बाड़मेर जिले की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने की अभिनव पहल है। किराडू जैसे बेहद अदभूत स्थान पर लोक कलाकारों, पुरातन संस्कृति को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मार्गदर्शन एवं उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की इच्छा शक्ति की बदौलत मालाणी महोत्सव का आयोजन हुआ है। उन्होंने कहा कि किराडू ऐतिहासिक स्थान है, जहां पुराने समय में विदेशों से व्यापारिक मार्ग का जुड़ाव रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से विदेशों से पुरातन संपदा रूपी मूर्तियों को वापिस भारत लाया गया। राजस्थान संगीत नाटक अकादमी की ओर से किराडू में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इससे पूरा महत्व के स्थलों के प्रचार प्रसार के साथ कलाकारों को प्रोत्साहन मिलेगा। मालाणी महोत्सव के समापन समारोह के दौरान चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल, बाड़मेर विधायक डॉ. प्रियंका चौधरी, बाड़मेर जिला कलक्टर टीना डाबी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार समेत विभिन्न जन प्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहे।

संसदीय कार्य मंत्री ने सिवाना में 69 वीं राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का किया विधिवत शुभारंभ

डबल इंजन की सरकार खेल विकास और युवा कल्याण के लिए प्रतिबद्ध–जोगाराम पटेल

बालोतरा (रॉयल पत्रिका)। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और उद्योग,युवा एवं खेल राज्य मंत्री के.के बिश्नोई ने सोमवार को आदर्श बाल मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय सिवाना (बालोतरा) में 69 वीं राज्य स्तरीय विद्यालयी हॉकी खेलकूद प्रतियोगिता (14 वर्ष छात्र-छात्रा वर्ग) का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। पटेल ने कहा यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार खेल विकास और युवा कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा 250 करोड़ रुपये की लागत से जयपुर में महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना की जा रही है। उन्होंने कहा नवीन स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर से लैस यह विश्वविद्यालय उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में प्रदेश की प्रतिभाओं को निखारने का काम करेगा।

जयपुर में बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर स्पोर्ट्स-

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा राज्य सरकार ने खेलो एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए 475 करोड़ रुपये के बजट के साथ राजस्थान खेल आधुनिकीकरण मिशन,स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम के तहत अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेताओं का 25 लाख रुपये तक का दुर्घटना एवं जीवन बीमा का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने कहा खेल अवसंरचना विकास की दिशा में जयपुर में 100 करोड़ रुपये के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर स्पोर्ट्स भी स्थापित, 25-25 करोड़ रुपये की लागत से जयपुर, भरतपुर एवं उदयपुर में बालिकाओं के लिए रेजिडेंशियल गर्ल्स स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट और 5 हजार से अधिक जनसंख्या वाली 3 हजार 500 ग्राम पंचायतों में ओपन जिम की स्थापना की जा रही है।

रोजगार उत्सवों में अब तक 91 हजार युवाओं को दी गई नियुक्ति-

पटेल ने कहा प्रदेश सरकार ने पेपर लीक माफियाओं पर कड़ी कार्यवाही कर युवाओं के हितों को सुरक्षित किया गया है। उन्होंने कहा 5 वर्ष में 4 लाखों युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी।

वन राज्यमंत्री ने जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुना

-अधिकारियों को परिवेदनाओं के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

अलवर (रॉयल पत्रिका)। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने अलवर में अपने निवास 201 रघुमार्ग पर जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुनकर उनके त्वरित निराकरण करे निर्देश दिये। वन राज्यमंत्री शर्मा ने जनसुनवाई में आए पेयजल, विद्युत, सडक, पुलिस आदि की परिवेदनाएं लेकर आए फरियादियों की परिवेदनाओं को संवेदनशीलता के साथ सुनकर संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि फरियादियों की समस्याओं का निराकरण होने पर उन्हें सूचित कर उनके संतुष्टि स्तर में वृद्धि करें। उन्होंने निर्देश दिये कि आमजन को मूलभूत समस्याओं की प्राथमिकता से सुनवाई करें। इस कार्य में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने फरियादियों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा अंतिम पंक्ति तक के पात्र व्यक्ति के कल्याण हेतु विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है जिनका जागरूक रहकर न केवल स्वयं लाभ उठाएं बल्कि अन्य पात्र व्यक्तियों को भी इन योजनाओं के प्रति जागरूक कर लाभांवित करावे।

बूंदी के व्याख्याता बृजेश कुमार ने हासिल की एनसीसी थर्ड ऑफिसर रैंक

-पीआरसीएन कोर्स में उल्लेखनीय सफलता, विद्यालय में हुआ सम्मान

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बूंदी में चित्रकला के व्याख्याता बृजेश कुमार ने राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के पीआरसीएन कोर्स में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर थर्ड ऑफिसर की रैंक स्टार अर्जित की। राउमावि बूंदी में एनसीसी प्रभारी रहे बृजेश कुमार ने ऑफिसर ट्रेनिंग अकादमी, कामठी (नागपुर, महाराष्ट्र) में 30 जुलाई 2025 से 27 सितंबर 2025 तक दो माह का प्रशिक्षण पूर्ण कर यह उपलब्धि प्राप्त की। प्रशिक्षण पूर्ण कर विद्यालय लौटने पर प्राचार्य राजेंद्र कुमार माथुर ने उनके कंधे पर सितारा लगा कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समस्त स्टाफ, एसपीसी बैंड की धुन, तथा एनसीसी और एसपीसी कैडेट्स की उपस्थिति में बृजेश कुमार, एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर का विद्यालय परिसर में भव्य स्वागत किया गया। बृजेश कुमार की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार, सहकर्मियों एवं क्षेत्रवासियों ने गर्व व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ प्रेषित की।

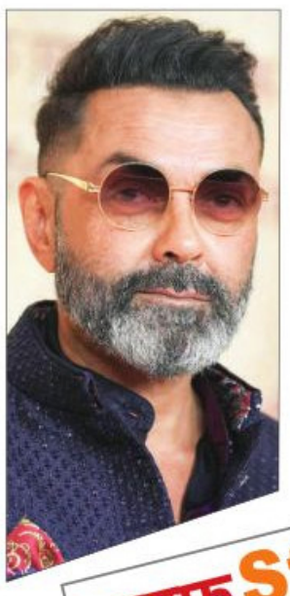

लव कुश की रामलीला में रावण दहन करेंगे बॉबी

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल इस दशहरे पर दिल्ली में लव कुश रामलीला में मौजूद रहेंगे। दशहरा के दिन लाल किला मैदान में वह रावण वध के गवाह बनेंगे। लव कुश रामलीला समिति ने अभिनेता को आधिकारिक तौर पर आमंत्रित किया था। इस निमंत्रण को उन्होंने स्वीकार कर लिया है। लव कुश रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने बताया 'जब बॉबी देओल को दशहरे पर आमंत्रण दिया गया तो उन्होंने इसे पूरे उत्साह के साथ स्वीकार कर लिया। समिति का मानना है कि बॉबी देओल का इस ऐतिहासिक मंच पर आना रामलीला को और भी भव्य और यादगार बना देगा।'

लाइफ Style

रश्मिका

तुम मेरे न हुए का टीजर रिलीज

एजेंसी ▶▶ मुंबई

आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की थामा 2025 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। यह मैडॉक की हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसमें स्त्री, स्त्री 2, मुंजा और भेड़िया जैसी फिल्में शामिल हैं। थामा का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है।

थामा के निर्माताओं ने कुछ दिन पहले फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया था। वहीं, फिल्म का पहला गाना 'तुम मेरे न हुए' का टीजर रिलीज किया है। गाने का टीजर सामने आ चुका है। इसमें रश्मिका मंदाना लाल रंग के आउटफिट में बोल्ड अंदाज में और आयुष्मान खुराना के साथ डांस करती नजर आ रही हैं। यह गाना प्यार और दिल टूटने की कहानी बयान करता है। हाल ही में फिल्म 'थामा' का धांसू ट्रेलर रिलीज किया गया था। जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी एक खलनायक यक्षशान के रूप में दिखाई दिए, जो सदियों से एक गुफा में फंसा है। आयुष्मान के किरदार आलोक को अपने शरीर में अजीब बदलाव दिखते हैं, जैसे वैम्पायर जैसे दांत और स्टील जैसा शरीर। रश्मिका का किरदार ताड़का, आलोक के साथ जटिल रिश्ता रखता है और कहता है कि उनका रिश्ता नहीं चल सकता क्योंकि वह अलग दुनिया से है। आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की थामा 2025 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। यह मैडॉक की हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसमें स्त्री, स्त्री 2, मुंजा और भेड़िया जैसी फिल्में शामिल हैं। थामा का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है। इसमें परेश रावल भी अहम भूमिका में हैं। यह फिल्म 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हॉलीवुड मसाला

एक साथ देख सकते हैं पुराने सीजन

लॉस एंजिल्स। 'स्ट्रेंजर थिंग्स' अपने अंतिम अध्याय की ओर बढ़ रही है। इस सीरीज के दीवाने इसके पांचवे सीजन का बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसका बीते बुधवार को ट्रेलर भी रिलीज हुआ, जिसने फैंस के बीच इसकी चर्चा बढ़ गई है। इसके साथ ही फिनाले से पहले दर्शक 'स्ट्रेंजर थिंग्स' के सभी पुराने सीजन का आनंद ले सकते हैं। जारी हुए आखिरी सीजन के ट्रेलर में हॉकिन्स को अपसाइड डाउन द्वारा टुकड़े-टुकड़े होते हुए दिखाया गया है, जो पहली बार पूरे शहर को सीधे खतरे में डालता है।

विकेड : फॉर गुड का फाइनल ट्रेलर रिलीज

नई दिल्ली। ओज की धरती, जादू और अमर दोस्ती के फैंस के लिए इंतजार अब खत्म हो गया है। यूनिवर्सल पिक्चर्स इंडिया (वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी द्वारा वितरित) ने विकेड: फॉर गुड का अंतिम ट्रेलर आधिकारिक रूप से जारी कर दिया है। ट्रेलर में शानदार दृश्य, ऊंचे दांव वाला ड्रामा और वे संगीत क्षण शामिल हैं, जो हर प्रशंसक को रोमांचित कर देंगे। विकेड: फॉर गुड21 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी. खबरों की मानें तो फिल्म का बजट 146 करोड़ के आसपास बताया गया है। कुडन्ट वी हैपियर की गूंज से लेकर नो गुड डीड गोज अनपनिश्ड की भावुक पुकार तक, हर फ्रेम ओज की धरती में एक गहरा जादुई और इमोशनल सफर को दर्शाता है, जो इस कहानी के दिल से जुड़ा हुआ है। इस फिल्म में एल्फाबा, जिसे अब 'विकिड विच ऑफ द वेस्ट' के नाम से जाना जाता है।

आठ साल बाद बॉलीवुड में कर रहीं वापसी

मुंबई। फुकरे और फुकरे 2 एक्ट्रेस प्रिया आनंद बरसों बाद एक साइबर क्राइम थ्रिलर सीरीज से बॉलीवुड में कमबैक कर रही हैं। इस साइबर क्राइम थ्रिलर का ट्रेलर लॉन्च हो गया है। टीवी शो महाभारत में धृतराष्ट्र बने ठाकुर अनुप सिंह और रोहित रॉय लीड और अहम रोल में हैं। इस साइबर क्राइम थ्रिलर मूवी का नाम कंट्रोल है। यह फिल्म असली घटनाओं और बढ़ते डिजिटल फ्रॉड से इंस्पायर है। ट्रेलर की काफी इंटरेस्टिंग दिख रहा है। साइबर क्राइम के साथ-साथ दमदार एक्शन भी देखने को मिल रहा है। कंट्रोल के ट्रेलर में देखा जा सकता है कि ठाकुर अनुप सिंह यहां एक आर्मी ऑफिसर की भूमिका में नजर आ रहे हैं, जबकि रोहित रॉय पहली बार एक विलेन के रूप में दमदार अंदाज में दिखाई देंगे. प्रिया आनंद भी साइबर क्राइम के अगेंस्ट लड़ते दिखाई देती हैं।

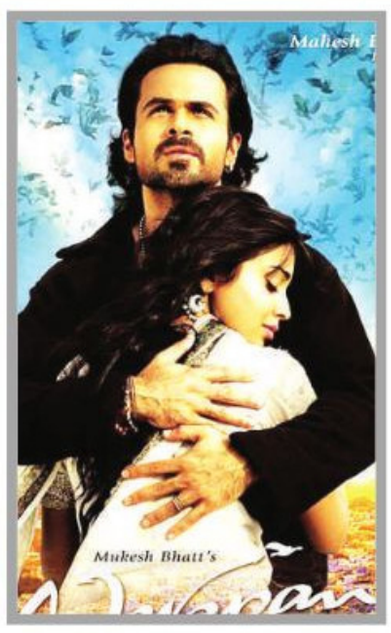

इमरान ने आवारापन-2 की शूटिंग शुरू की

मुंबई। अभिनेता इमरान हाशमी की मच अवेटेड फिल्म आवारापन 2 की शूटिंग शुरू हो गई है। 'आवारापन' के लगभग 18 साल बाद अब मेकर्स इसका सीक्वल लेकर आ रहे हैं। मेकर्स और इमरान हाशमी ने फिल्म के मुहूर्त शॉट की एक तस्वीर साझा कर इस बात की जानकारी दी है। नितिन कक्कड़ द्वारा निर्देशित और बिलाल सिद्दीकी द्वारा लिखित 'आवारापन 2' का निर्माण विशेष भट्ट द्वारा विशेष फिल्म्स के तहत किया जा रहा है। पहला शूटिंग शेड्यूल फिलहाल बैंकॉक में चल रहा है। इमरान हाशमी और निर्माता विशेष भट्ट ने फिल्म के अगले पार्ट को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया। अब मेकर्स ने फिल्म की शूटिंग शुरू होने की भी जानकारी साझा की है। आवारापन साल 2007 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को मोहित सूरी ने डायरेक्ट किया था।

टीवी मसाला

सीरीज जानवर के थ्रिलर सस्पेंस ने चौंकाया

नई दिल्ली। सीरीज जानवर शुरू होती है तो एक सामान्य पुलिस ड्रामा लगती है, जिसमें एक मर्डर मिस्ट्री को सॉल्व किया जा रहा है। लेकिन, जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, यह सीरीज चौंकाने लगती है। सीरीज देखने के बाद कई लोगों ने ट्विटर पर इसे लेकर रिव्यू शेयर किए हैं। जानिए, क्यों खास लगी यह सीरीज सोशल मीडिया यूजर्स को। सीरीज जानवर को लेकर एक यूजर लिखता है, यह सीरीज शुरुआत आम पुलिस ड्रामा नजर आती है। लेकिन, आखिर मोड़ पर एक गहरा सबक दे जाती है। एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, इस सीरीज ने मुझे वाकई हैरान कर दिया। अपराध, जातिगत मुद्दे और पौराणिक कथाओं को एक साथ बड़ी सहजता से बुना गया है। हर मोड़ पर सीरीज हमें सोचने के लिए मजबूर करती है। सीरीज में पुलिस ऑफिसर हेमंत कुमार का रोल भुवन अरोड़ा ने किया है। अभिनेता की एक्टिंग से यूजर्स इंप्रेस नजर आए। एक यूजर ने ट्विटर पर पोस्ट किया 'मैंने अभी-अभी जनावर सीरीज खत्म की है। यह कोई सामान्य थ्रिलर नहीं है। अपराध, जातिगत राजनीति और पौराणिक कथाएं, सबका मिक्स है। पुलिस ऑफिसर हेमंत कुमार से जुड़ाव महसूस होता है। सीरीज का ट्विस्ट पूरी तरह से बांधे रखता है। और क्लाइमैक्स के बारे में अभी भी सोच रहा हूं। एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'सीरीज कुछ हिस्सों में लड़खड़ा जाती है। लेकिन भुवन अरोड़ा ने इस क्राइम-थ्रिलर को अपने अभिनय के साथ आगे बढ़ाया है।

बिग बॉस से आवेज का पत्ता हुआ साफ

नई दिल्ली। रियलिटी शो बिग बॉस 19 का हालिया वीकेंड का वार दर्शकों के लिए ढेर सारे सरप्राइज लेकर आया। जहां एक तरफ सलमान खान ने अपनी एनर्जी और डांस से सबको झूमने पर मजबूर कर दिया, वहीं इस हफ्ते एविक्शन की तलवार आवेज दरबार पर गिरी। शो से उनका सफर यहीं खत्म हो गया, और घरवालों के साथ-साथ फैंस भी उन्हें जाते देख भावुक हो उठे। इस हफ्ते नॉमिनेशन में पांच नाम शामिल थे- गौरव खन्ना, मृदुल तिवारी, अशनूर कौर, प्रणित मोरे और आवेज दरबार। दर्शकों से कम वोट मिलने के कारण आवेज को घर छोड़ना पड़ा। उनके बाहर जाते ही माहौल इमोशनल हो गया। खासकर नेहल चूड़ासमा, अभिषेक बजाज और प्रणित मोरे खुद को रोक नहीं पाए और फूट-फूटकर रो पड़े। अभिषेक बजाज ने कहा कि उन्होंने आवेज को कई बार चेताया था कि गेम में थोड़ा और दम दिखाए, लेकिन आवेज का अंदाज अलग ही रहा। आवेज दरबार के बेघर होते ही सोशल मीडिया पर मेकर्स के इस फैसले के खिलाफ कई सवाल उठाए गए।

इन 10 फिल्मों का फैंस को बेसब्री से इंतजार दो का 2 अक्टूबर को होगा क्लैश

मुंबई। आनेवाले महीनों में कई शानदार फिल्में और सीरीज रिलीज होने वाली हैं। हम आपको आईएमडीबी के मुताबिक, टॉप 10 उन फिल्मों का नाम बता रहे हैं जिनका फैंस को बेसब्री से इंतजार है। इस लिस्ट में विवेक ओबेरॉय की एक फिल्म और वरुण धवन की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी भी शामिल है।

कांतारा अ लेजेंड चैप्टर 1: लिस्ट में पहले नंबर पर कांतारा अ लेजेंड चैप्टर 1 है। इस फिल्म के पेज पर 25.5 पर्सेंट व्यूज हैं। फिल्म 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म को रिषभ शेट्टी ने डायरेक्ट किया है।

मस्ती 4 : लिस्ट में दूसरे नंबर पर मिलाप जावेरी की फिल्म मस्ती 4 है। इस फिल्म में विवेक ओबेरॉय, अरशद वारसी, रितेश देशमुख और तुषार कपूर जैसे एक्टर्स नजर आ सकते हैं। इस फिल्म के पेज पर 24.5 पर्सेंट व्यूज हैं। फिल्म 21 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

एक दीवाने की दीवानियत : लिस्ट में तीसरे नंबर पर हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की फिल्म एक दीवाने की दीवानियत है। यह फिल्म 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के पेज पर 11.6 पर्सेंट व्यूज हैं।

सालार 2 : लिस्ट में चौथे नंबर पर प्रभास की फिल्म सालार 2 है। फिल्म 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीजल होगी। इस फिल्म के पेज पर 9.3 पर्सेंट व्यूज हैं।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी: लिस्ट में 5वें नंबर पर वरुण धवन, रोहित सराफ, जाह्नवी कपूर और सान्या मल्होत्रा की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी है। इस फिल्म के पेज पर 7.1 पर्सेंट व्यूज हैं। फिल्म 2 अक्टूबर को रिलीज होगी।

थामा: लिस्ट में छठे नंबर पर आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना और परेश रावल की फिल्म थामा है। फिल्म के पेज पर 7 पर्सेंट व्यूज हैं। ये फिल्म 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रोई रोई बिनाले: लिस्ट में 7वें नंबर पर दिवंगत सिंगर जुबीन गर्ग की फिल्म रोई रोई बिनाले है। यह एक आसामी म्यूजिकल लव स्टोरी होगी। बता दें, जुबीन का पिछले महीने एक वॉटर एक्सिडेंट की वजह से निधन हो गया। जुबीन की ये फिल्म 31 अक्टूबर को रिलीज होगी।

इडली कढ़ाई : लिस्ट में 8वें नंबर पर तमिल भाषा की ड्रामा फिल्म इडली कढ़ाई है। फिल्म में एक्टिंग के साथ-साथ धनुष ने ये फिल्म उन्होंने डायरेक्ट भी की है। ये फिल्म 1 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आन पावम पोलाथाथु और इयूड : लिस्ट में 8वें नंबर पर तमिल कॉमेडी-एंटरटेनर फिल्म आन पावम पोलाथाथु है। फिल्म 31 अक्टूबर को रिलीज होगी। वहीं, 10वें नंबर पर तमिल भाषा की रोमांटिक एक्शन कॉमेडी फिल्म इयूड है। फिल्म 17 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नवरात्रि की जलसा में धूम अमिताभ ने फैंस को बांटे डांडिया

मुंबई। महानायक अमिताभ बच्चन अपने फैंस से जुड़े रहने का तरीका खूब जानते हैं। हर रविवार की तरह इस बार भी उन्होंने मुंबई स्थित अपने बंगले जलसा के बाहर मौजूद भीड़ का दिल जीत लिया। लेकिन, इस बार नजारा थोड़ा हटकर रहा। नवरात्रि के मौके पर बिग बी ने फैंस को सिर्फ अपने दीदार ही नहीं कराए, बल्कि उपहार के तौर पर डांडिया स्टिक भी बांटे। सोशल मीडिया पर बिग बी का यह अंदाज अब खूब वायरल हो रहा है। रविवार को जब अमिताभ बच्चन सफेद कुर्ता-पायजामा और जैकेट पहने बाहर आए, तो हजारों की भीड़ ने उनका स्वागत किया। बिग बी ने हाथ हिलाकर फैंस को आशीर्वाद दिया और फिर एक-एक कर गिफ्ट बांटना शुरू किया। जहां कुछ लोगों को डांडिया स्टिक मिली, वहीं कई ने बिग बी की तस्वीर और वीडियो से ही खुद को संतुष्ट किया। नवरात्रि के माहौल में यह तोहफा हर किसी को खास लगा।

श्रीनारायण ने किया था डायरेक्शन, 300 करोड़ की कमाई के साथ जीते 11 अवॉर्ड

साढ़े 4 साल रिजेक्ट होती रही स्क्रिप्ट, इस हीरो ने हाथ जोड़ मांगी फिल्म

नई दिल्ली। कई बार फिल्मों की कहानियां ऐसी होती हैं, जिनमें एक्टर्स काम करने की दिलचस्प नहीं दिखाते। ऐसी ही एक मूवी 8 साल पहले रिलीज हुई थी, जिसमें कोई भी काम नहीं करना चाहता था। मगर, एक हीरो ने हाथ जोड़कर फिल्म मांगी और फिर उसमें काम किया है। उस फिल्म का नाम है 'टॉयलेट: एक प्रेम कथा'। साल 2017 में 'टॉयलेट: एक प्रेम कथा' फिल्म रिलीज हुई थी। इसमें अक्षय कुमार लीड रोल में थे. वहीं, भूमि पेडनेकर उनके अपोजिट नजर आई थीं. अनुपम खेर, दिव्येंदु शर्मा, सचिन खेडकर और राजेश शर्मा जैसे सितारे भी फिल्म का हिस्सा थे। इस मूवी का डायरेक्शन श्रीनारायण सिंह ने किया था।

ग्रामीण इलाकों में शौचालयों की समस्याओं को करती है उजागर

इस फिल्म की कहानी ग्रामीण इलाकों में शौचालयों की जरूरत और उसकी कमी से होने वाली समस्याओं उजागर करती है। इसके साथ ही मूवी में एक लव स्टोरी के जरिए इसे रोचक तरीके से बताया गया है। केशव (अक्षय कुमार) एक ऐसे गांव में रहता है जहां शौचालय की कमी के कारण महिलाएं खुले में शौच के लिए जाती हैं। इस बीच केशव की शादी पढ़ी-लिखी लड़की जया (भूमि पेडनेकर) से हो जाती है। शादी के बाद जब जया को पता चलता है कि केशव के घर में शौचालय नहीं है तो उनके बीच मनमुटाव शुरू हो जाता है। केशव को यह एहसास होता है कि उसके घर में शौचायल होना चाहिए. घर में नहीं, बल्कि पूरे गांव में होना चाहिए।

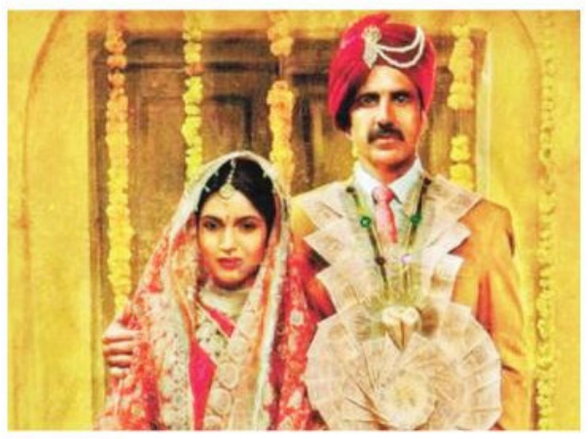

बॉक्स ऑफिस पर साबित हुई सुपरहिट

ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, अक्षय कुमार और भूमि पेडनेकर की 'टॉयलेटः एक प्रेम कथा' की मेकिंग पर 18 करोड़ रुपए खर्च हुए थे. भारत में मूवी ने 186.42 करोड रुपए का ग्रोस कलेक्शन किया था। वर्ल्डवाइड कमाई 316.97 करोड़ रुपये हुई थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस ना सिर्फ सुपरहिट साबित हुई, बल्कि लगभग 1 दर्जन अवॉर्ड भी जीत लिए थे। आईएमडीबी के मुताबिक, 'टॉयलेटः एक प्रेम कथा' ने 11 अवॉर्ड अपने नाम कर लिए थे. इन दिनो यह फिल्म जी5 पर अवेलेबल है। आईएमडीबी पर मूवी को 10 में से 7.2 रेटिंग मिली है।

सच्ची कहानी पर बनी है फिल्म

आपको जानकर हैरानी होगी कि 'टॉयलेटः एक प्रेम कथा' में कोई भी हीरो काम नहीं करना चाहता था। यह खुलासा खुद अक्षय कुमार ने किया था। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था, 'इस फिल्म की स्क्रिप्ट इंडस्ट्री में तकरीबन साढ़े 4 साल तक घूमती रही। कई हीरो के पास गई थी, लेकिन कोई इसमें काम नहीं करना चाहता था। अक्षय कुमार ने आगे कहा, 'मुझे यह मूवी अच्छी लगी, बल्कि मैंने हाथ जोड़कर नीरज पांडे से फिल्म मांगी और कहा कि मैं इसमें काम करना चाहता हूं। मैंने फिल्म की। इस मूवी का नाम शुरुआत संडासः एक प्रेम कथा थी। फिर इसे बदलकर टॉयलेटः एक प्रेम कथा की गई है। यह सच्ची कहानी पर फिल्म बनी है।

विश्व कप मिशन : घरेलू जमीन पर इतिहास रचने उतरेगी भारतीय महिला टीम

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

अच्छे फॉर्म में चल रही भारतीय महिला क्रिकेट टीम घरेलू मैदानों पर खेलने का फायदा उठाकर 47 साल बाद पहला आईसीसी खिताब जीतने के इरादे से मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ वनडे विश्व कप के पहले मैच में उतरेगी। विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम 13वें विश्व कप में हालात से वाकफियत का पूरा फायदा उठाना चाहेगी। टूर्नामेंट 12 साल बाद भारत में हो रहा है। इसमें आठ शीर्ष टीमें आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान भाग लेंगी। सभी टीमें भारत में चार और कोलंबो में एक स्थान पर 28 लीग मैच राउंड रॉबिन आधार पर खेलेंगी।

ईनामी राशि रिकॉर्ड 13.88 मिलियन डॉलर होगी

इस बार विश्व कप में ईनामी राशि रिकॉर्ड 13.88 मिलियन डॉलर है, जो 2022 की तुलना में चार गुना अधिक है। पुरुषों के 2023 विश्व कप में ईनामी राशि 10 मिलियन डॉलर थी और यह उससे भी अधिक है। श्रीलंका में 11 राउंड रॉबिन मैच खेले जाएंगे, जिसमें पाकिस्तान के 7 लीग मैच और भारत के खिलाफ 5 अक्टूबर का मैच शामिल है। एक सेमीफाइनल भी वहां होगा और पाकिस्तान फाइनल में पहुंचता है तो फाइनल भी वहीं खेला जाएगा।

स्मृति बल्लेबाजी की धुरी

मौजूदा फॉर्म को देखें तो भारतीय टीम ने हाल ही में इंग्लैंड को वनडे और टी20 श्रृंखलाओं में हराया है। इसके अलावा आस्ट्रेलिया के खिलाफ भी हार का सिलसिला तोड़ा है। भारतीय टीम ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ दिल्ली में आखिरी वनडे में जीत के लिए 413 रन का लक्ष्य लगभग पार कर ही लिया था। भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना बल्लेबाजी की धुरी रही हैं, जो शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने इस साल चार वनडे शतक लगाए और उनका स्ट्राइक रेट 115.85 रहा है। युवा सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के साथ उन्होंने भारत को अच्छी शुरुआत दी है।

■ महिला विश्व कप का पहला मैच आज दोपहर 3 बजे से गुवाहाटी में भारत और श्रीलंका के बीच

भारतीय टीम को दबाव में आने की आदत से पार पाना होगा

भारतीय टीम को बड़े मौकों पर दबाव में आने की आदत से भी पार पाना होगा। विश्व कप 2017 में जीत के करीब पहुंचकर टीम ने मैच गंवा दिया था और 2022 राष्ट्रमंडल खेल फाइनल में भी मामूली अंतर से आस्ट्रेलिया से हारी थी। टूर्नामेंट की सह मेजबान श्रीलंकाई टीम 2022 विश्व कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी थी। श्रीलंका की उम्मीदें 20 वर्ष की हरफनमौला इयूमी विहांगा पर टिकी हैं जिसने त्रिकोणीय श्रृंखला में 11 विकेट लिये थे ।

रेणुका की चोट के बाद वापसी

वहीं पांचवां विश्व कप खेल रही हरमनप्रीत बड़े टूर्नामेंटों में हमेशा अच्छा खेलती हैं। उन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्धशतक और इंग्लैंड के खिलाफ शतक लगाया था। चोट से उबरी जेमिमा रौड्रिग्स ने इंग्लैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में 66 रन बनाए थे और वह मध्यक्रम को मजबूती देती हैं। रिचा घोष, हरलीन देयोल और दीप्ति शर्मा बल्लेबाजी को गहराई देते हैं जबकि अमनजोत कौर सीम गेंदबाजी हरफनमौला हैं। रेणुका सिंह चोट के बाद वापसी कर रही हैं, जिससे तेज आक्रमण मजबूत हुआ है। बाईस बरस की क्रांति गौड़ ने भी तेज गेंदबाजी में विविधता दिखाई है।

दीप्ति, राधा, स्नेह और श्रीचरणी पर दारोमदार

इस साल इंग्लैंड दौरे पर चेस्टर ली स्ट्रीट में 52 रन देकर छह विकेट लेने वाली गौड़ जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव के बाद इंग्लैंड में वनडे में छह विकेट लेने वाली तीसरी भारतीय खिलाड़ी है। रेणुका के अलावा भारत के तीन अन्य तेज गेंदबाजों क्रांति, अरुंधति रेड्डी और अमनजोत ने मिलकर 25 वनडे खेले हैं और गेंदबाजों ने हाल ही में 300 से अधिक स्कोर बनाने का विरोधी टीम को मौका दिया है। रेड्डी को अभ्यास मैच के दौरान चोट भी लगी थी जबकि अमनजोत ने भी चोट से उबरकर न्यूजीलैंड के खिलाफ वापसी की है। स्पिनर दीप्ति शर्मा, राधा यादव, स्नेह राणा और एन. श्री चरणी पर काफी दारोमदार होगा।

खबर संक्षेप

भारत का क्लीन स्वीप ओजस्वी के स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। ओजस्वी ठाकुर की अगुआई में भारत ने आईएसएसएफ जूनियर निशानेबाजी विश्व कप की 10 मीटर महिला एयर राइफल स्पर्धा में पदकों का क्लीन स्वीप किया। ओजस्वी के स्वर्ण के अलावा हृदया श्री कोंदुर और शंभावी क्षीरसागर ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किया। ओजस्वी ने कर्णी सिंह निशानेबाजी रेंज में फाइनल में अपने आठवें और 16वें शॉट में 10.9 के परफेक्ट स्कोर के साथ कुल 252.7 अंक के साथ खिताब जीता। हृदया श्री 250.2 अंक के साथ दूसरे जबकि क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रही शंभावी 229.4 अंक के आथ तीसरे स्थान पर रही। भारतीय तिकड़ी ने क्वालीफिकेशन में भी दबदबा बनाते हुए पहले तीन स्थान हासिल किए। शंभावी 632.0 अंक के साथ शीर्ष पर रहीं जबकि उनके बाद ओजस्वी ने 631.9 और हृदया श्री ने 629.8 अंक जुटाए। क्वालीफिकेशन में आठवें स्थान पर रहीं क्रोएशिया की अनामरिजा तुर्क ने फाइनल में 206.6 अंक के साथ चौथा स्थान हासिल किया।

सहजा-श्रीवल्ली को बीजेके कप में टीम की कमान

नई दिल्ली। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने 14-16 नवंबर तक बेंगलुरु में होने वाले बिली जीन किंग (बीजेके) कप प्ले ऑफ के लिए सहजा यमलापल्ली की अगुवाई में पांच सदस्यीय टीम की घोषणा की। राष्ट्रीय चयन पैनल ने रैंकिंग के अनुसार सहजा (347), श्रीवल्ली भामिदीपति (374), अंकिता रैना (447), रिया भाटिया (499) और युगल विशेषज्ञ प्रार्थना थोम्बारे (131) को चुना। वैदेही चौधरी रिजर्व खिलाड़ी होंगी। जील देसाई और श्रुति अहलावत को प्रशिक्षण शिविर का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया है। भारत को स्लोवेनिया और नीदरलैंड के साथ ग्रुप जी में रखा गया है। इस ग्रुप की विजेता टीम को 2026 क्वालीफायर में जगह मिलेगी जबकि अन्य दो टीमें अगले साल ग्रुप एक में प्रतिस्पर्धा करेंगी। विशाल उप्पल टीम के कप्तान होंगे जबकि राधिका कानिटकर कोच होंगी।

ताइवान मास्टर्स : संयुक्त 43वें स्थान पर संधू

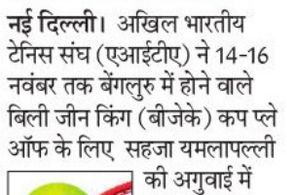

ताइपे सिटी। भारतीय गोल्फर युवराज संधू अंतिम दौर में दो ओवर 74 के स्कोर से मरकरीज ताइवान मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से 43वें स्थान पर रहे। प्रतियोगिता के अंतिम दिन खिलाड़ियों को जूझना पड़ा और बहुत कम खिलाड़ी ही अंडर पार का स्कोर बना पाए। संधू ने अंतिम दौर में चार बर्डी, तीन बोगी और एक ट्रिपल बोगी की। थाईलैंड के रतानोन वनासरिचान ने अंतिम दौर में एक ओवर 73 के स्कोर से पांच अंडर के कुल स्कोर के साथ एक शॉट के अंतर से खिताब जीता।

एशिया कप में अभिषेक ने बनाए सर्वाधिक 314 रन और कुलदीप ने झटके 17 विकेट

टूर्नामेंट में अजेय रहा भारत, अभिषेक, कुलदीप ने बिखेरी चमक, सूर्यकुमार, हार्दिक रहे नाकाम

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारत और पाकिस्तान के बीच तल्ख रिश्तों के कारण एशिया कप में मैदान से बाहर की चीजें काफी हावी रही लेकिन इस हंगामे के बीच प्रतिभा की चमक, नए सितारों का उदय और असफलता के आंसू देखने को मिले। भारत पूरे टूर्नामेंट के अपने सात मैचों के दौरान अजेय रहा। टीम को हालांकि श्रीलंका ने सुपर चार के महत्वहीन मैच में कड़ी टक्कर दी और पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मुकाबले का फैसला भी टूर्नामेंट के आखिरी ओवर में हुआ। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ खेले गए तीनों मैचों को छोड़कर अपने बाकी सभी मैच जीते। गत चैंपियन श्रीलंका को सुपर चार चरण में पाकिस्तान और बांग्लादेश से हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट से पहले अफगानिस्तान से काफी उम्मीदें थे लेकिन टीम सुपर चार चरण में पहुंचने में विफल रही।

सूर्यकुमार मैच फीस करेंगे सशस्त्र बलों और पहलगाम पीड़ितों को दान

कप्तान सूर्यकुमार यादव एशिया कप से मिलने वाली पूरी मैच फीस भारतीय सशस्त्र बलों और पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों को दान करेंगे। भारत ने रविवार को पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर एशिया कप जीता। सूर्यकुमार ने मैच के बाद एक्स पर लिखा,' मैंने इस टूर्नामेंट से अपनी पूरी मैच फीस हमारे सशस्त्र बलों और पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों को दान करने का फैसला किया है। आप हमेशा मेरे ख्यालों में हैं। जय हिंद।' भारतीय खिलाड़ियों को टी20 प्रारुप में हर मैच में चार लाख रुपए मिलते हैं यानी टूर्नामेंट के सात मैचों के लिए सूर्यकुमार को 28 लाख रुपए मिलेंगे। सूर्यकुमार ने 14 सितंबर को पहले ग्रुप मैच में पाकिस्तान पर मिली जीत को पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों और भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित किया था। पाकिस्तान ने उन पर राजनीतिक बयान देने का आरोप लगाकर आईसीसी से शिकायत दर्ज कराई थी और उन पर प्रतिबंध की भी मांग की थी।

उतार-चढ़ाव से भरे टूर्नामेंट की समाप्ति पर आंकड़ों का विश्लेषण

- भारत का यह नौवां एशिया कप खिताब (वनडे और टी20 प्रारुपों को मिलाकर) है। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ भारत की लगातार नौवीं जीत भी है।
- अभिषेक शर्मा ने टी20 प्रारुप के रैंकिंग में शीर्ष स्थान को सही साबित करते हुए सात मैचों में 314 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने तीन अर्धशतक जड़े और उनका सर्वोच्च स्कोर 75 का रहा। बायें हाथ के इस सलामी बल्लेबाज ने 44.85 की औसत और 200 के स्ट्राइक रेट से रन बनाकर भारत को ज्यादातर मैचों में ताबड़तोड़ शुरुआत दिलाई।
- भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टूर्नामेंट में संघर्ष किया और सात मैचों में केवल 72 रन बनाए, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर नाबाद 47 रन रहा। उप-कप्तान शुभमन गिल के प्रदर्शन में भी निरंतरता की कमी रही। उन्होंने सात मैचों में 47 के सर्वोच्च स्कोर के साथ 127 रन बनाए।
- तिलक वर्मा टूर्नामेंट के बड़े सितारों में से एक बनकर उभरे। उन्होंने सात मैचों में 213 रन बनाए, जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में मैच जीतने वाली 69 रन की नाबाद पारी शामिल थी। यह टूर्नामेंट में उनका उच्चतम स्कोर भी था।
- हरफनमौला हार्दिक पांड्या के लिए भी यह टूर्नामेंट साधारण रहा। वह चोट के कारण फाइनल नहीं खेल सके। उन्होंने छह मैचों में 48 रन बनाए और चार विकेट लिए (120 रन देकर), उनका इकोनॉमी रेट 8.57 रहा।
- सुपर चार मैच में भारत के खिलाफ अपनी 'बंदूक दिखाने जैसे जश्न' के लिए आलोचना का सामना करने वाले सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने सात मैचों में 58 के सर्वोच्च स्कोर के साथ 217 रन बनाए। वह पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे।

भारत-पाक खिलाड़ियों के बीच तनातनी

भारतीय टीम एशिया कप चैंपियन बनी लेकिन पूरे टूर्नामेंट में टीम के शानदार प्रदर्शन की जगह भारत और पाकिस्तान के बीच मैदान पर अपेक्षित सौहार्द की जगह तनातनी ने सुर्खियां बटोरी, जहां दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने मैच के दौरान और इसके बाद आक्रामक रवैया दिखाया। यह टूर्नामेंट शुरू से ही तनावपूर्ण रहा और फाइनल तक माहौल और गर्मा गया। भारत ने रविवार को रोमांचक फाइनल में पांच विकेट से जीत दर्ज की। इस टकराव की शुरुआत उस समय हुई जब भारत ने पहलगाम आतंकी हमले और भारतीय सुरक्षाबलों के समर्थन में पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। फाइनल आते-आते यह पूरी तरह एक दूसरे के खिलाफ टकराव जैसी स्थिति में बदल गया। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 18वें ओवर में एक शानदार यॉर्कर से हारिस रऊफ को बोल्ड किया और इसका जश्न सुपर चार चरण में रऊफ के 'विमान गिरने' के इशारे की नकल कर बनाया।

वे काफी कुछ कह रहे थे, मैं बस बल्ले से जवाब देना चाहता था : तिलक

तिलक वर्मा एशिया कप के फाइनल के दौरान जब क्रीज पर आए तो पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने उनके खिलाफ 'काफी टीका-टिप्पणी' की जिसने इस भारतीय बल्लेबाज को उनके अब तक के करियर की सबसे शानदार पारियों में से एक खेलने के लिए प्रेरित किया। शुरुआती ओवरों में विकेट गिरने के कारण भारतीय टीम मुश्किल स्थिति में थी। दोनों टीमों के बीच तनाव वाले माहौल के बीच तिलक को बहुत कुछ कहा भी गया, लेकिन उन्होंने अपना संयम बनाए रखा और काफी दबाव वाली परिस्थितियों में कमाल की बल्लेबाजी की।

भारतीय खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया पर ट्रॉफी की 'इमोजी' के साथ मनाया जीत का जश्न

रऊफ ने इस हरकत से भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' का मजाक उड़ाया था। भारतीय सेना ने पहलगाम में 26 पर्यटकों की हत्या के बाद पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' नामक सैन्य अभियान चलाया था। फाइनल में रऊफ के विकेट उखाड़ने के बाद बुमराह की यह प्रतिक्रिया उसी मजाक उड़ाने की कोशिश का करारा जवाब था। भारत ने बेहद तनावपूर्ण माहौल में खेले गए फाइनल मैच में कई बार पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए यादगार जीत दर्ज की। नकवी पुरस्कार समारोह के दौरान मंच से उतरने को तैयार नहीं थे और भारतीय खिलाड़ी उनके हाथों पुरस्कार नहीं लेना चाहते थे। भारतीय खिलाड़ियों ने इसके बाद सोशल मीडिया पर ट्रॉफी की 'इमोजी' के साथ जीत का जश्न मनाया।

चीन ओपन

स्वियातेक ने जीता 400वां मैच, चौथे दौर में पहुंची

अगले दौर में अमेरिका की ऐमा नवारो से भिड़ेंगी

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

विंबलडन चैंपियन इगा स्वियातेक ने कैमिला ओसोरियो को हराकर करियर की 400वीं जीत दर्ज की और चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में जगह बनाई।

डब्ल्यूटीए-1000 प्रतियोगिता में लगातार तीन साल 25 या इससे अधिक जीत दर्ज करने वाली पहली खिलाड़ी स्वियातेक ने कोलंबिया की ओसोरियो के 0-6 के स्कोर पर मुकाबले के बीच से हटने पर अगले दौर में प्रवेश किया। पिछले हफ्ते सियोल में कोरिया ओपन का खिताब जीतने वाली शीर्ष वरीय स्वियातेक ने चार बार फ्रेंच ओपन और एक बार अमेरिकी ओपन का भी खिताब जीता है। वह अगले दौर में अमेरिका की ऐमा नवारो से भिड़ेंगी।

मीरा ने जेसिका को 6-4, 6-1 से हराया

अन्य मुकाबलों में चौथी वरीय मीरा आंद्रीवा ने जेसिका बोजास मनेइरो को 6-4, 6-1 से हराया जबकि मार्ता कोस्तयुक ने एलियकसांद्रा सेसनोविच को 6-4, 6-2 से हराया। नवारो जब लोइस बोइसन के खिलाफ 6-2, 1-0 से आगे चल रही थी तो फ्रांस की खिलाड़ी ने मुकाबले से हटने का फैसला किया। महिला प्रतियोगिता के साथ ही हो रहे एटीपी 500 पुरुष टूर्नामेंट में शीर्ष वरीय यानिक सिनर ने फाबियान मारोजसान को 6-1, 7-5 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इटली के 24 साल के सनिर अगले दौर में तीसरे वरीय एलेक्स डि मिनोर से भिड़ेंगे, जिन्होंने चोट के कारण जाकुब मेनसिक के 1-4 के स्कोर पर मुकाबले से हटने पर अगले दौर में जगह बनाई।

जापान ओपन : शीर्ष वरीयता जोड़ी को हराकर फाइनल में बोपन्ना-युजुकी

एजेंसी ▶▶| टोकियो

भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और जापान के उनके जोड़ीदार ताकेरु युजुकी ने सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त क्रिश्चियन हैरिसन और इवान किंग की अमेरिका की जोड़ी को बेहद रोमांचक मैच में हराकर खिताबी मुकाबले का टिकट पक्का किया।

बोपन्ना और युजुकी ने धैर्य दिखाते हुए हैरिसन और किंग को 4-6, 6-3, 18-16 से हराया बोपन्ना और युजुकी ने पहला सेट गंवाने के बाद दूसरे सेट में जोरदार वापसी की और

फिर मैराथन सुपर टाई-ब्रेक में धैर्य बनाए रखा। उन्होंने तीसरे मैच प्वाइंट को भुनाकर मुकाबला अपने नाम किया। इस दौरान 44 वर्षीय बोपन्ना ने अपनी शानदार सर्विस का अच्छा इस्तेमाल किया, जबकि युजुकी ने शानदार रिटर्न और नेट के इस्तेमाल प्रभावित किया। इस जीत से बोपन्ना एक और फाइनल में पहुंच गए हैं। इससे पहले, 2025 में बोपन्ना का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन क्वीन्स क्लब में एटीपी 500 के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचना था।

क्रिस वोक्स ने क्रिकेट को कहा अलविदा

लंदन। इंग्लैंड के ऑलराउंडर क्रिस वोक्स ने पिछले हफ्ते एशेज टीम में जगह नहीं मिलने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर वोक्स ने इंग्लैंड के क्रिकेटर के रूप में अपने 15 साल के करियर में 62 टेस्ट मैच खेले, जिसमें उन्होंने 2034 रन बनाए और 192 विकेट लिए। वोक्स (36 वर्ष) ने 122 एकदिवसीय और 33 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले, जिनमें उन्होंने क्रमशः 1524 और 147 रन बनाए। उन्होंने सफेद गेंद के प्रारुप में कुल 204 विकेट चटकाए। वोक्स ने कहा, 'वह क्षण आ गया है और मैंने फैसला किया है कि मेरे लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का सही समय आ गया है। वोक्स ने अपना आखिरी टेस्ट मैच भारत के खिलाफ द ओवल में खेला था जब वह पांचवें टेस्ट में मेहमान टीम को श्रृंखला बराबर करने से रोकने की नाकाम कोशिश करते हुए अपनी बांह को पट्टी से बांधकर बल्लेबाजी करने आए थे। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड के लिए खेलना एक ऐसी चीज थी, जिसका मैं बचपन से ही सपना देखता था और मैं उन सपनों को जीने के लिए बेहद भाग्यशाली महसूस करता हूं।' वोक्स ने कहा, 'इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करना, 'थ्री लायंस' के ठप्पे वाली जर्सी पहनना और पिछले 15 वर्षों में टीम के साथियों के साथ मैदान साझा करना, ऐसी चीजें हैं, जिन्हें मैं बहुत गर्व के साथ याद करूंगा।' वोक्स इंग्लैंड की दो आईसीसी विश्व कप जीत का हिस्सा थे।

ग्नजडिलोव का तीसरा विश्व चैंपियनशिप खिताब

डेनिस ने तोड़ा विश्व रिकॉर्ड, गोला फेंक में जीता गोल्ड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

तटस्थ पैरालंपिक एथलीट (एनपीए) डेनिस ग्नजडिलोव ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के तीसरे दिन सोमवार को एफ40 गोला फेंक में दो बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ने के साथ स्वर्ण पदक जीता। रूस के 38 वर्षीय इस खिलाड़ी ने अपने शुरुआती प्रयास में 10.66 मीटर की दूरी हासिल की लेकिन इसके बाद के उनके चारों प्रयास स्वर्ण पदक के लिए काफी थे। उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में 11.85 मीटर की दूरी के साथ पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता पुर्तगाल के मिगुएल मोंटेइरो के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ा और फिर अपने पांचवें प्रयास में इसमें सुधार करते हुए 11.92 मीटर की दूरी हासिल की। तोक्यो 2020 पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता ग्नजडिलोव का यह तीसरा विश्व चैंपियनशिप खिताब है।

दयावंती ने चक्का फेंक में हासिल किया चौथा स्थान

इस दौरान चुनौती पेश कर रहे भारतीय खिलाड़ियों में दयावंती ने सोमवार सुबह महिलाओं की चक्का फेंक एफ46 फाइनल में अपने आखिरी प्रयास में 27.94 मीटर का थ्रो करके चौथा स्थान हासिल किया। इस थ्रो से उन्होंने एशियाई रिकॉर्ड तो बनाया लेकिन वह कांस्य पदक विजेता अमेरिका की एलिसिया ग्युरेरो से 1.51 मीटर पीछे रह गईं। आयुष वर्मा पुरुषों की गोला फेंक एफ53 फाइनल में पांचवें स्थान पर रहे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास 7.23 मीटर का रहा जो कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ी से 97 सेंटीमीटर कम था।

पोलैंड पदक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा

यूक्रेन पर हमले के बाद से रूस और बेलारूस पर प्रतिबंध के कारण इन दोनों देशों के खिलाड़ी एनपीए के तहत प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। छोटे कद के खिलाड़ियों की इस स्पर्धा में पुर्तगाल के मिगुएल मोंटेइरो (11.31 मीटर) और इराक के गरीह तनायश (10.86 मीटर) ने कांस्य पदक जीता। सोमवार सुबह को दो अन्य चैंपियनशिप रिकॉर्ड कायम हुए और इस दौरान पोलैंड पदक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। पुरुषों की गोला फेंक एफ53 फाइनल में पोलैंड के बार्टोस्ज गोरजाक ने 8.67 मीटर का थ्रो करके मीट रिकॉर्ड को अपने नाम किया। महिलाओं के चक्का फेंक एफ44 फाइनल में मैक्सिको की ओसिरिस एलेथ माचाडो ने 44.36मीटर के थ्रो के साथ चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। फौस्टिना कोटलोव्स्का ने महिलाओं की चक्का फेंक एफ 64 स्पर्धा में पोलैंड को दिन का दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया। इन दो स्वर्ण पदकों की मदद से पोलैंड पदक तालिका में चार स्वर्ण और चार कांस्य पदकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गया। वह ब्राजील (तीन स्वर्ण, पांच रजत, दो कांस्य) और चीन (तीन स्वर्ण, चार रजत, तीन कांस्य) से आगे निकल गया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय कुमार मल्होत्रा का निधन

-दिल्ली के पहले BJP अध्यक्ष और पांच बार सांसद रहे

नई दिल्ली । भाजपा के वरिष्ठ नेता और दिल्ली राजनीति के प्रेरणास्रोत रहे विजय कुमार मल्होत्रा का मंगलवार को 93 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) में भर्ती थे। AIIMS ने मंगलवार सुबह उनकी मौत की आधिकारिक पुष्टि की। उनके निधन से भारतीय राजनीति और विशेष रूप से दिल्ली भाजपा को भारी क्षति पहुँची है। विजय कुमार मल्होत्रा ने दिल्ली और राष्ट्रीय राजनीति में लंबा और समर्पित योगदान दिया। वे दिल्ली से पांच बार सांसद और दो बार विधायक रह चुके थे। उनके राजनीतिक करियर की शुरुआत 1980 में हुई, जब वे दिल्ली भाजपा के पहले प्रदेश अध्यक्ष बने। उस समय भाजपा एक उभरता राजनीतिक दल था और उन्होंने संगठन को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में भाजपा ने दिल्ली में अपनी राजनीतिक पहचान स्थापित की। मल्होत्रा के राजनीतिक जीवन की सबसे यादगार उपलब्धियों में से एक 1999 का लोकसभा चुनाव था, जब उन्होंने दक्षिण दिल्ली से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और बाद के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को हराया था। यह जीत केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं थी, बल्कि उस समय दिल्ली और देश में भाजपा के बढ़ते प्रभाव का प्रतीक भी थी। उनकी चुनावी रणनीति और संगठनात्मक कौशल ने पार्टी को कई अवसरों पर मजबूत किया। विजय कुमार मल्होत्रा सिर्फ एक राजनीतिज्ञ ही नहीं थे, बल्कि एक सम्मानित समाजसेवी और मार्गदर्शक भी थे। वे हमेशा युवा नेताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत

रहे। उनके अनुभव, दूरदर्शिता और नीति-निर्माण की क्षमता ने दिल्ली भाजपा को कई कठिन समय में संतुलित रखा। उनके योगदान को देखते हुए पार्टी और राजनीति जगत में उन्हें एक दूरदर्शी और अनुभवी नेता के रूप में याद किया जाएगा। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। उनके पार्थिव शरीर को दिल्ली स्थित उनके आवास पर रखा गया, जहां कई नेताओं और आम जनता ने उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की। विजय कुमार मल्होत्रा की जिंदगी और योगदान भारतीय राजनीति में एक मिसाल के रूप में हमेशा याद रखी जाएगी। उनके मार्गदर्शन और कड़ी मेहनत ने दिल्ली और राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा की स्थिति को मजबूत किया।

बिहार में SIR की फाइनल लिस्ट जारी:

7.3 करोड़ मतदाता शामिल, चुनावी तैयारियों में तेजी

पटना । चुनाव आयोग ने बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) की फाइनल लिस्ट मंगलवार को जारी कर दी है। इस फाइनल लिस्ट में अनुमानित रूप से करीब 7.3 करोड़ मतदाता शामिल होंगे। इसमें लगभग 14 लाख नए वोटर्स के नाम भी जुड़ सकते हैं। यह प्रक्रिया राज्य में चुनावी तैयारी को और अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए की गई थी।

SIR की प्रक्रिया की शुरुआत

चुनाव आयोग के अनुसार, SIR की प्रक्रिया जून 2025 से शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि मतदाता सूची में केवल वही लोग शामिल हों, जो वर्तमान में बिहार में निवास कर रहे हैं और मतदान करने के योग्य हैं। इसके तहत लगभग 7.89 करोड़ रजिस्टर्ड वोटर्स से दोबारा फॉर्म भरवाए गए थे। इस प्रक्रिया के माध्यम से मतदाता सूची की सत्यता और सटीकता को सुनिश्चित किया गया।

पहले ड्राफ्ट में कटौती

इस प्रक्रिया के दौरान, 1 अगस्त 2025 को पहला ड्राफ्ट जारी किया गया। इस ड्राफ्ट में कुल 65 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए। यह कटौती उन लोगों के नामों को हटाने के लिए की गई थी, जो मर चुके थे या स्थायी रूप से राज्य से बाहर चले गए थे। इसके अलावा, कुछ ऐसे मतदाता भी थे जिनके पास दो वोटर आईडी कार्ड थे, ऐसे मामलों में भी उन्हें सूची से हटाया गया। इस चरण में कटौती का मुख्य उद्देश्य यह था कि फाइनल लिस्ट में केवल सक्रिय और वैध मतदाता ही शामिल हों। इससे चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ती है और मतदाता सूची में फर्जी नामों या डुप्लीकेट नामों की संभावना कम हो जाती है।

फाइनल लिस्ट में बदलाव और नए नाम

फाइनल लिस्ट जारी होने के साथ ही इसमें नए वोटर्स के नाम भी शामिल किए गए हैं। अनुमान है कि इसमें करीब 14 लाख नए वोटर्स के नाम जुड़ सकते हैं। ये नए वोटर्स अधिकांशतः 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा हैं, जो पहली बार मतदान करने के योग्य हुए हैं। फाइनल लिस्ट में नए नाम जोड़ने और पुरानी सूचनाओं को अपडेट करने की प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि सभी योग्य मतदाता समय पर मतदान कर सकें और चुनाव में भाग ले सकें।

चुनावी तैयारियों में तेजी

फाइनल लिस्ट जारी होने के बाद, बिहार में चुनाव आयोग की तैयारियां और तेज हो जाएंगी। मतदाता सूची के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों में बूथ तैयार किए जाएंगे, मतदान कर्मियों की तैनाती होगी और सभी जरूरी संसाधनों का प्रबंध किया जाएगा। चुनाव आयोग की ओर से बताया गया है कि फाइनल लिस्ट को ध्यान में रखते हुए मतदान केंद्रों की संख्या और बूथों का निर्धारण किया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि हर मतदाता अपने निकटतम मतदान केंद्र पर आसानी से वोट डाल सके।

मतदाता सूची की पारदर्शिता

SIR की प्रक्रिया से यह स्पष्ट होता है कि चुनाव आयोग मतदाता सूची की पारदर्शिता और वैधता पर गंभीर है। पहले ड्राफ्ट में कटौती करने और फाइनल लिस्ट जारी करने का उद्देश्य यह है कि चुनाव प्रक्रिया सभी के लिए निष्पक्ष और स्वतंत्र हो। इसके अलावा, मतदाता सूची की नियमित समीक्षा से डुप्लीकेट नाम, मृतक मतदाता और बाहर गए मतदाता को हटाकर चुनाव को अधिक सटीक और विश्वसनीय बनाया जाता है। बिहार में SIR की फाइनल लिस्ट जारी होना राज्य की चुनावी प्रक्रिया के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल मतदाता सूची को अपडेट किया गया है, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया गया है कि सभी योग्य मतदाता सही समय पर मतदान कर सकें।

चिदंबरम का खुलासा: मुंबई हमले के बाद बदला लेने की इच्छा

-अमेरिकी दबाव के चलते पाकिस्तान पर कार्रवाई नहीं की

नई दिल्ली। 26/11 के मुंबई आतंकी हमले को अब 17 साल हो चुके हैं, लेकिन इस घटना की याद और दर्द आज भी देशवासियों के मन में ताजा है। उस समय देश की राजधानी दिल्ली और मुंबई के लोगों के लिए यह हमले एक भयानक त्रासदी साबित हुए थे। इस हमले ने न सिर्फ भारत की सुरक्षा की कमजोरियों को उजागर किया, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ देश की रणनीति और अंतरराष्ट्रीय राजनीति में जटिलताओं को भी सामने लाया। अब पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने इस हमले के बाद अपनी मानसिक स्थिति और तत्कालीन सरकार की निर्णय प्रक्रिया के बारे में महत्वपूर्ण खुलासा किया है। चिदंबरम ने मंगलवार को एक प्रमुख चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि मुंबई हमले के तुरंत बाद उनके मन में भी पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का विचार आया था। उनके अनुसार, यह स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी क्योंकि उन्होंने देश के लाखों नागरिकों के प्रति जिम्मेदारी और अपने पद की संवेदनशीलता को महसूस किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके मन में भी बदला लेने की भावना थी, क्योंकि हमला न केवल मुंबई बल्कि पूरे भारत के लिए एक जघन्य अपराध था। लेकिन, इस समय की तत्कालीन कांग्रेस सरकार, जो प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में थी, ने सैन्य या कोई अन्य सीधे तौर पर हमला करने का निर्णय नहीं लिया। चिदंबरम ने इसके पीछे की वजह भी साझा की। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दबाव और विशेषकर अमेरिकी सरकार की ओर से दिए गए संकेतों ने भारत को सीधे जवाबी कार्रवाई से रोक रखा था। अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों का मानना था कि तत्काल सैन्य कार्रवाई स्थिति को और जटिल बना सकती थी और इसके परिणाम स्वरूप क्षेत्रीय तनाव बढ़ सकता था। पूर्व गृह मंत्री ने यह भी बताया कि विदेश मंत्रालय और अन्य सुरक्षा सलाहकारों ने भी तत्काल पाकिस्तान पर सैन्य कार्रवाई के खिलाफ सुझाव दिया था। उनका तर्क था कि इस समय में कूटनीतिक और खुफिया रणनीति का प्रयोग करना बेहतर होगा, ताकि आतंकवादियों को पकड़ने और उनके नेटवर्क को नष्ट करने में सफलता मिल सके।

चिदंबरम के अनुसार, यह निर्णय किसी कमजोरी की वजह से नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय और देशीय राजनीतिक परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया था। 26/11 के मुंबई हमले में कुल 175 लोग मारे गए थे। 10 आतंकियों ने लगभग 60 घंटे तक मुंबई की सड़कों, ताज होटल, छत्रपति शिवाजी टर्मिनस (CST) रेलवे स्टेशन, नरीमन हाउस और कामा हॉस्पिटल को निशाना बनाया। इस दौरान अंधाधुंध फायरिंग और बम धमाकों से शहर दहशत में डूबा रहा। नागरिकों और सुरक्षा बलों की बहादुरी के बावजूद इस हमले ने देश को गहरे आघात पहुंचाया। चिदंबरम के बयान ने यह स्पष्ट किया कि आतंकवाद के खिलाफ प्रतिक्रिया देना कितना जटिल और संवेदनशील मुद्दा है। यह केवल भावनाओं या बदले की भावना से नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय रणनीति, कूटनीतिक दबाव और सुरक्षा सलाहकारों की राय से तय किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि परिस्थितियाँ और समर्थन अनुकूल होते, तो निश्चित रूप से भारत ने इस हमले का जवाब देना जरूरी समझा होता। इस खुलासे के बाद यह बात फिर से सामने आई है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में बड़े फैसले अक्सर भावनात्मक रूप से आसान नहीं होते। चिदंबरम ने अपने बयान में यह भी संकेत दिया कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से पाकिस्तान पर कार्रवाई करने की इच्छा जताई थी, लेकिन सरकार की जिम्मेदारी और अंतरराष्ट्रीय दबाव ने उनके हाथ बाँध दिए थे।

इज़राइल गाज़ा संघर्ष:

ट्रम्प नेतन्याहू का 20 पॉइंट प्लान, हमास ने किया इनकार

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। इज़राइल-गाज़ा संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में एक नया प्रयास

सोमवार (29 सितम्बर 2025) को सामने आया, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने वॉशिंगटन में मुलाकात कर एक 20 पॉइंट का शांति/सीज़फायर प्लान पेश किया। ट्रम्प ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह योजना युद्ध रोकने, बंधकों की रिहाई और मानवीय मदद बढ़ाने के लिए ठोस कदम सुझाती है, और यदि हमास इसे अस्वीकार करता है तो इज़राइल के पास उसे समाप्त करने का अधिकार होगा — जिस पर अमेरिका पूरा समर्थन देगा। नेतन्याहू ने भी ट्रम्प के सामने योजना का समर्थन करने का दावा करते हुए कहा कि इज़राइल अपने युद्धी उद्देश्यों को पूरा किए बिना पीछे नहीं लौटेगा; उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यदि हमास योजना नहीं मानेगा तो इज़राइल वह कदम उठाएगा — चाहे वह आसान हो या मुश्किल — पर इसे पूरा किया जाएगा। इस बयान के साथ दोनों नेताओं ने अपनी साझेदारी और दबाव की भाषा स्पष्ट कर दी। वहीं हमास ने फिलहाल हथियार डालने से साफ़ इनकार नहीं किया, बल्कि कहा कि उन्हें प्लान का औपचारिक लेखा-जोखा अभी तक नहीं मिला और वे उसे जाँची-परखी प्रतिक्रिया देंगे। कुछ रिपोर्टों में बताया गया है कि क़तारी और मिस्री मध्यस्थों के जरिए हमास को दस्तावेज़ पहुँचाए जाने की प्रक्रिया चल रही है और इस्लामिक समूह अपनी प्रतिक्रिया पर विचार कर रहा है। इस प्रस्ताव को फिलिस्तीनी प्राधिकरण (पश्चिम तट) और कई अरब व यूरोपीय नेताओं ने स्वागत किया है, जिनका कहना है कि यह युद्ध समाप्त करने का तत्काल मौका देता है और मानवीय संकट को कम कर सकता है — बशर्ते अमल और लागू करने के तरीकों पर पारदर्शिता हो। दुनिया भर के नेताओं ने अब हमास पर दबाव डाला है कि वह जल्द से जल्द सकारात्मक जवाब दे। परन्तु आलोचक कहते हैं कि योजना के कार्यान्वयन और गज़ा में दीर्घकालिक व्यवस्था के बारे में कई अहम सवाल अब भी अनसुलझे हैं। अंत में यह कहना सुरक्षित होगा कि ट्रम्प नेतन्याहू की सहमति एक कूटनीतिक मोड़ है, मगर असल सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि हमास और क्षेत्रीय मध्यस्थ इसे स्वीकार कर पाते हैं या नहीं।

करूर रैली हादसा: अभिनेता विजय ने CM स्टालिन पर सवाल उठाए

-कहा– "हमने कुछ गलत नहीं किया"

नई दिल्ली। तमिलनाडु के करूर में हुए भयावह हादसे ने राज्य और देश की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। 27 सितंबर की शाम तमिल अभिनेता और पॉपुलर नेता विजय की पार्टी, थलाइवीवी के नेतृत्व वाली टीवीके (थलाइवी विजयन कांग्रेस) की चुनावी रैली में अचानक भगदड़ मच गई। इस हादसे में 41 लोगों की मौत हुई और 51 लोग गंभीर रूप से घायल होकर ICU में भर्ती हैं। यह घटना न सिर्फ करूर जिले बल्कि पूरे तमिलनाडु के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गई है। हादसे के दो दिन बाद, मंगलवार को अभिनेता विजय ने अपने सोशल मीडिया चैनल पर एक वीडियो संदेश जारी किया। इस संदेश में उन्होंने अपनी पीड़ा व्यक्त की और राज्य सरकार पर सवाल उठाए। विजय ने कहा, "मैंने अपने जीवन में ऐसी दर्दनाक स्थिति का सामना कभी नहीं किया। क्या CM स्टालिन बदला लेने की कोशिश कर रहे हैं? हमने कुछ गलत नहीं किया।" विजय ने अपने वीडियो संदेश में यह भी बताया कि उनके पार्टी के कई पदाधिकारी पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिए गए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन से अपील की कि उनके पार्टी पदाधिकारियों को किसी भी तरह का नुकसान न पहुंचाया जाए। उन्होंने साफ कहा कि अगर कार्रवाई करनी है तो वे उनके घर या कार्यालय में कर सकते हैं, लेकिन उनके कार्यकर्ताओं के खिलाफ नहीं। विजय ने आगे कहा कि जल्द ही इस पूरी घटना की सच्चाई सामने आएगी। उनका यह बयान कई राजनीतिक विश्लेषकों के लिए चिंता का विषय बन गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी ने चुनावी रैली में कोई ऐसी गलती नहीं की थी जो इस त्रासदी का कारण बन सके। इस घटना ने तमिलनाडु की राजनीति में सियासी तूल पकड़ लिया है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और उनकी सरकार पर सवाल उठ रहे हैं कि क्या इस हादसे का इस्तेमाल किसी राजनीतिक विरोधियों को दबाने या उनकी पार्टी के नेताओं को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है। कई स्थानीय और राष्ट्रीय मीडिया संस्थान इस मामले की गहन जांच की मांग कर रहे हैं। राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि चुनावी रैलियों में सुरक्षा के दृष्टिकोण से कई खामियां हमेशा रही हैं। हालांकि, करूर की रैली में हुई भगदड़ ने सार्वजनिक सुरक्षा और प्रशासनिक तैयारी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले में मुख्यमंत्री और पुलिस प्रशासन को भी जवाबदेही तय करनी होगी, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियों से बचा जा सके। विजय की पार्टी टीवीके ने घटना के बाद सभी सामाजिक और राजनीतिक कार्यक्रमों को स्थगित कर दिया है। पार्टी ने मृतकों के परिवारों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की और उन्हें आर्थिक और कानूनी सहायता देने की घोषणा की। वहीं, घायल हुए लोगों के उपचार पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है। इस पूरे मामले में राज्य सरकार ने कहा है कि जांच के बाद ही किसी के खिलाफ कार्रवाई होगी, लेकिन विजय का आरोप है कि उनके पार्टी पदाधिकारियों को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनके नेताओं ने रैली की तैयारी में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं की और यह दुर्घटना स्वाभाविक रूप से हुई। समग्र रूप से देखा जाए तो करूर हादसा तमिलनाडु के राजनीतिक परिदृश्य में नए विवादों और आरोप-प्रत्यारोप को जन्म दे रहा है। अभिनेता और नेता विजय का बयान न सिर्फ उनके समर्थकों के लिए बल्कि पूरे राज्य की जनता के लिए गहरी चिंता का विषय है। अंततः यह घटना यह सवाल उठाती है कि राजनीति में सच्चाई और न्याय की कितनी अहमियत है। करूर हादसा न केवल एक मानवीय त्रासदी है, बल्कि यह तमिलनाडु में सुरक्षा, प्रशासनिक जवाबदेही और राजनीतिक नैतिकता पर भी गंभीर बहस को जन्म दे रहा है।

क्वेटा में सुसाइड बम ब्लास्ट:

10 की मौत, 32 घायल

-राष्ट्रपति जरदारी ने लगाया भारत समर्थित आतंकियों का आरोप

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा शहर में मंगलवार दोपहर एक भयानक सुसाइड बम ब्लास्ट हुआ, जिसमें कम से कम 10 लोगों की मौत और 32 से अधिक घायल हुए हैं। यह विस्फोट शहर की एक भीड़भाड़ वाली सड़क पर हुआ, जो आसपास के निवासियों और दुकानदारों के लिए अचानक त्रासदी बन गया। विस्फोट इतना भयंकर था कि आसपास के घरों की खिड़कियां टूट गईं और दीवारों में दरारें आ गईं। स्थानीय सुरक्षा बलों और पुलिस अधिकारियों ने तुरंत इलाके को घेर लिया और घायल लोगों को नजदीकी अस्पतालों में पहुँचाया गया। क्वेटा के SSP मोहम्मद बलोच ने बताया कि विस्फोटक से भरी गाड़ी पैरामिलिट्री फोर्स हेडक्वार्टर के पास खड़ी थी। यह हमला स्पष्ट रूप से व्यवस्थित और योजनाबद्ध था, जिसमें चार उग्रवादी भी मारे गए। इस प्रकार, यह हमला स्थानीय सुरक्षा बलों के लिए भी गंभीर चुनौती साबित हुआ। पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि इस हमले के पीछे भारत समर्थित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) के आतंकियों का हाथ है। उन्होंने इसे क्षेत्रीय सुरक्षा और शांति के लिए एक गंभीर खतरे के रूप में बताया।

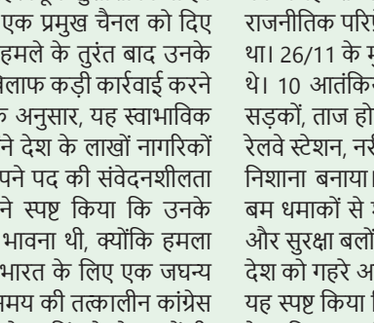

ट्रम्प ने विदेशी फिल्मों पर लगाया 100% टैरिफ

-हॉलीवुड बचाने की कोशिश

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने विदेशी फिल्मों पर 100% टैरिफ लगाने की घोषणा की है। उन्होंने यह जानकारी अपने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म ट्रुथ सोशल पर साझा की। ट्रम्प ने कहा कि विदेशी कंपनियों ने अमेरिकी फिल्म इंडस्ट्री को "चुरा" लिया है, और इसे उन्होंने एक उदाहरण देकर समझाया कि यह वैसा ही है जैसे कोई बच्चा चॉकलेट चुरा ले। उनका तर्क था कि अमेरिका की फिल्म इंडस्ट्री लंबे समय से दबाव में है और इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नुकसान हो रहा है। ट्रम्प ने विशेष रूप से कैलिफोर्निया का ज़िक्र किया, जहां हॉलीवुड स्थित है। उन्होंने कहा कि राज्य की कमजोर सरकार और बुरे गवर्नर की वजह से यह क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। उनका कहना

था कि विदेशी कंपनियां अमेरिकी फिल्म निर्माताओं को आकर्षक ऑफर देकर अपने देशों में खींच रही हैं, जिससे अमेरिका की फिल्म इंडस्ट्री धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही है। इस नई नीति के अनुसार, अमेरिका के बाहर बनने वाली सभी फिल्मों पर अब 100% टैरिफ लगेगा। ट्रम्प का उद्देश्य इस लंबे समय से चली आ रही समस्या को समाप्त करना है। उन्होंने यह भी कहा कि इससे अमेरिकी फिल्म उद्योग को बचाने और उसे पुनर्जीवित करने में मदद मिलेगी। ट्रम्प ने इससे पहले मई में भी विदेशी फिल्मों पर टैरिफ लगाने की बात कही थी।

राहुल गांधी का आरोप: पीएम मोदी ने लद्दाख के लोगों के साथ किया धोखा

-लेह गोलीबारी की न्यायिक जांच की मांग

लेह (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को लद्दाख में हाल ही में हुई हिंसा और पुलिस कार्रवाई को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने लद्दाख के लोगों के साथ धोखा किया है। राहुल ने विशेष रूप से लेह में पुलिस की गोलीबारी में चार प्रदर्शनकारियों की मौत का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें कारगिल युद्ध में शामिल त्सावांग थारचिन भी शामिल थे। उनका जोर इस बात पर था कि इस घटना की निष्पक्ष और स्वतंत्र न्यायिक जांच होनी चाहिए। राहुल गांधी ने अपने X (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर त्सावांग थारचिन के पिता का एक वीडियो साझा किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, "पिता की दर्द भरी आंखें एक सवाल पूछती हैं – क्या आज देश सेवा का यही इनाम है।" उन्होंने यह भी कहा कि हिंसा और डर की राजनीति को तुरंत बंद किया जाना चाहिए। राहुल ने यह संदेश स्पष्ट रूप से यह दिखाने के लिए दिया कि लोग अपनी भावनाओं और अधिकारों के लिए आवाज उठाने के बावजूद सुरक्षित नहीं हैं। इस बीच, गृह मंत्रालय ने लद्दाख के लेह जिले में सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। मंत्रालय ने मोबाइल इंटरनेट और सार्वजनिक वाई-फाई सेवाओं को 3 अक्टूबर तक पूरी तरह बंद करने का आदेश दिया है। इसके पीछे मुख्य कारण इलाके में तनाव और सुरक्षा की स्थिति को नियंत्रण में रखना बताया गया है। लेह में सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक कर्फ्यू में ढील दी गई है, ताकि नागरिकों की रोजमर्रा की गतिविधियों पर अत्यधिक प्रभाव न पड़े, जबकि आवश्यक सुरक्षा उपाय जारी रहें। इस घटना के पीछे की पृष्ठभूमि भी काफी संवेदनशील है। लेह में हुई इस गोलीबारी में चार नागरिकों की मौत ने स्थानीय लोगों में आक्रोश और डर दोनों पैदा कर दिया है। इसके साथ ही, कारगिल युद्ध में शामिल सैनिकों और उनके परिवारों की भावनाएँ भी इस घटना से प्रभावित हुई हैं। त्सावांग थारचिन के पिता की प्रतिक्रिया ने इस दुख और गुस्से को और गहरा कर दिया है। राहुल गांधी ने इस पहलू को उजागर करते हुए कहा कि देश की सेवा करने वाले लोग भी हिंसा और डर की राजनीति का शिकार नहीं होने चाहिए। राजनीतिक दृष्टिकोण से यह मुद्दा पहले से ही गर्माया हुआ है। कांग्रेस नेताओं ने इसे केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों का उदाहरण बताया है। राहुल गांधी का आरोप है कि प्रधानमंत्री मोदी ने लद्दाख के लोगों से विश्वासघात किया और उनकी समस्याओं की गंभीरता को नजरअंदाज किया। उन्होंने केंद्र सरकार से तुरंत न्यायिक जांच कराने और दोषियों को दंडित करने की मांग की। स्थानीय प्रशासन ने हालात को काबू में रखने के लिए सुरक्षा बलों को तैनात किया है और इंटरनेट बंद करने जैसे कदम उठाए हैं। हालांकि, यह निर्णय नागरिकों की दैनिक जीवन पर असर डाल सकता है, लेकिन प्रशासन का तर्क है कि यह सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए आवश्यक है। राहुल गांधी के बयान और गृह मंत्रालय के कड़े कदमों के बीच लद्दाख का माहौल काफी संवेदनशील बना हुआ है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,